डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 215 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 21 मई 2025 | मूल्य 2 रुपया

रेलवे : स्लीपर का टिकट अब सेकेंड एसी में होगा अपग्रेड

रतलाम, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए टिकट अपग्रेडेशन योजना का विस्तार किया है। अब स्लीपर टिकट सेकंड एसी तक अपग्रेड किया जा सकेगा। अपग्रेडेशन की संख्या भी करीब डबल हो जाएगी। लेकिन, अपग्रेडेशन का लाभ कंसेशन पर रिजर्वेशन कराने या रिजर्व टिकट प्राप्त करने वाले यात्रियों को नहीं मिलेगा। रेलवे का उद्देश्य खाली सीटों का अधिकतम उपयोग करना और यात्रियों को बेहतर अनुभव देना है। अपग्रेडेशन के इस सिस्टम को ट्रेन में उपलब्ध क्लास के आधार पर ही लागू किया जाएगा।

इन लोगों को नहीं मिलेगी सुविधा-✻ कंसेशन (छूट) पर यात्रा करने वाले यात्री इस सुविधा का लाभ नहीं ले पाएंगे। ✻ पूरा किराया देने वाले यात्रियों को ही अपग्रेडेशन का विकल्प मिलेगा। ✻ वरिष्ठनागरिक और लोअर बर्थ कोटा के यात्रियों को अपग्रेडेशन के समय सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। क्योंकि, उंची क्लास में लोअर बर्थ मिलना तय नहीं होगा।

हंसी आपकी कोई चुरा ना पाएं, आपको कोई कभी रुला ना पाएं। खुशियों के दीप ऐसे जले जिन्दगी में, कि कोई तुफान भी उसे मिटा ना पाएं

प्रिय भाई, हरदिल अजीज, हरफनमौला, पूर्व नपा सभापति

श्री विनोद जी डगवार

को आज जन्म दिवस पर

हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं

✻✻✻ बधाईकर्ता ✻✻✻

डगवार मित्र मंडल मंदसौर

मंदसौर मंडी क्यों इस सुविधा से वंचित..?

नीमच के किसानों को पोस्तादाना दे रहा तगड़ा फायदा

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। नीमच में कृषि उपज मंडी में पोस्तादाना के भरपूर दाम मिलने से किसानों की बल्ले बल्ले हो गई है। वर्षों बाद किसानों को पोस्तादाना के अच्छे दाम मिल रहे हैं। कृषि उपज मंडी में पोस्तादाना एक लाख 81 हजार रुपए क्विंटल के भाव बिका। कुछ वर्ष पहले 2 लाख रुपए क्विंटल का आंकडा भी पार कर चुका है। अब बात करें मप्र की आदर्श मंडी मंदसौर कृषि उपज मंडी की। जहां अन्य राज्यों से भी किसान उपज लेकर आते हैं। यहां यह सुविधा उपलब्ध नहीं करवाई जा सकी है।

कृषि उपज मंडी राजस्व के मामले में प्रदेश में टॉप-4 पर है। इंदौर, भोपाल व सागर मंडी के बाद मंदसौर का नंबर आता है। यहां 26 तरह की कृषि जिंसों की रोज नीलामी होती है और सालाना 35 करोड रुपए का राजस्व आता है। इसके बाद भी खसखस (पोस्तादाना) की नीलामी नहीं होती। जबकि, जिले के 25 हजार किसान अफीम खेती से जुडे हैं। इन सभी को खसखस बेचने के लिए 50 किमी दूर नीमच या जावरा जाना पडता है। यदि खसखस की खरीदी शुरू हो तो करोडों का राजस्व मिलना और मंडी का टॉप-3 में आना संभव है। किसानों का कहना है यहां दो दशक से खसखस नहीं बिक रही। मंडी प्रबंधन के अनुसार इस पर कमेटी विचार करेगी। लहसुन की बिक्री के लिए प्रदेश में ख्यात मंडी में सोयाबीन, मक्का, गेहूं, चना, मसूर, प्याज, अलसी समेत औषधीय फसलों में कलौंजी, चिया, किनोवा सहित 26 तरह की जिंसें रोज नीलाम होती हैं। इनकी 42 से 45 हजार बोरियां मंडी में आती हैं। यहां आसपास के जिलों के अलावा राजस्थान से भी किसान उपज लेकर आते हैं।

नीमच में 1.81 रुपए क्विंटल बिका पोस्तादाना...

नीमच कृषि उपज मंडी की बात करें तो मंडी में बीते दिवस अफीम काश्तकार अर्जुन पिता मदनलाल पाटीदार निवासी ग्राम जयसिंहपुरा की कृषि उपज पोस्तादाना एक लाख 81 हजार रुपए प्रति विवंटल की दर से बिका। मंडी में किसान के पोस्तादाना की उपज अनुबंध कमांक 4167/27 से विक्रय हुई है। इसे अनुज्ञप्तिधारी व्यापारिक फर्म सीजन इंटरनेशनल द्वारा क्रय किया गया। यह पिछले 03 वर्ष में विक्रय हुई पोस्तादाना का सर्वाधिक मूल्य है।

मामला पुतला दहन के दौरान हुए बवाल का...

पीसीसी अध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस कप्तान के कार्यालय का कांग्रेसियों ने किया घेराव

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। डोडाचूरा तस्कर अराजकता करेंगे और कांग्रेसजन चुप रहेंगे...ऐसा संभव नहीं हैं और फिर इनको याद होना चाहिए कि एक कार्यकर्ता प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष है। विजय शाह का इस्तीफा होना था। विजय शाह को बर्खास्त करना था। नरेंद्र मोदी सेना के शौर्य की बात करते हैं। देश की एकजुटता की बात करते हैं। लेकिन, जगदीश देवडा और विजय शाह पर मौन रहते हैं। आज बात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कही।

वे विगत दिनों मल्हारगढ के बूढा में पुतला दहने के दौरान कांग्रेसी और भाजपाईयों के आमने-सामने होने और इस दौरान झूमाझपटी और मारपीट तक पहुंची नौबत के बाद कांग्रेसियो में उत्साहवर्धन के लिए मंदसौर आये थे। यहां श्री पटवारी ने घायल बूढा ब्लॉक अध्यक्ष अस्पताल में ईश्वरलाल धाकड से मुलाकात कर कुशलक्षेम पूछी। इसके बाद पुलिस कप्तान के कार्यालय पहुंचकर एसपी अभिषेक आनंद से चर्चा की। जिसमें मामले में दोषियों पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान विधायक विपीन जैन सहित अन्य कांग्रेस नेता भी मौजूद थे।

इस दौरान एसपी कार्यालय पर कांग्रेसियों का जमावडा लग गया। पुलिस को व्यवस्था संभालने में मशक्कत करना पडी। इस अवसर पर पटवारी ने यहां उप मुख्यमंत्री जगदीश देवडा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- देवडा जी प्रदेश के डिप्टी सीएम नहीं डोडा चूरा मंत्री हैं। जीतू पटवारी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश हमारे लिए सर्वप्रथम है, देश की जनता ने मैंडेट दिया हमें विपक्ष की भूमिका निभाने का। जिसे हम भली भांति निभा रहे हैं।

दोषी भाजपा कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई की मांग...

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने एनडीपीएस केस के संबंध में एसपी अभिषेक आनंद से चर्चा करते हुए मल्हारगढ एसडीओपी नरेंद्र सोलंकी को मल्हारगढ से हटाकर कहीं और ट्रांसफर करने की बात कही। एसपी अभिषेक आनंद ने कहा कि अगर आपके पास एसडीओपी के खिलाफ कोई सबूत हो तो हमें दीजिए, हम कार्रवाई करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमारे पास सबूत तो नहीं हैं, लेकिन आप एक महीने के भीतर एसडीओपी का कहीं और ट्रांसफर करें, अन्यथा हम मल्हारगढ में धरना देंगे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन जैन के मुताबिक नारायणगढ थाना क्षेत्र के बूढा में पुतला दहन के दौरान भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हमारे ब्लॉक अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं पर हमला किया था, जिसमें ब्लॉक अध्यक्ष को गंभीर चोट आई है। पटवारी ने उसने अस्पताल में मुलाकात की। यहां से कार्यकर्ताओं के साथ एसपी कार्यालय पहुंचे और एसपी अभिषेक आनंद से 17 मई को हुए घटनाक्रम के संबंध में चर्चा करते हुए दोषी भाजपा कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई की मांग की। इसके बाद कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मिले और फिर धरना आंदोलन में घायल हुए सीतामऊ के ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश पाटीदार से मिलने उनके गांव रवाना हो गए।

स्मार्ट पीडीएस सिस्टम एक जून से शुरु होगा

केवायसी नहीं तो नहीं मिलेगा राशन

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। सार्वजनिक राशन वितरण प्रणाली यानी पीडीएस सिस्टम को मजबूत और पारदर्शी बनाने के लिए 01 जून 2025 से स्मार्ट पीडीएस सिस्टम लागू कर दिया जाएगा। बता दें कि पहले ये सिस्टम 01 मई से लागू होने वाला था। लेकिन, ई-केवाईसी का काम पूरा न हो पाने के चलते इस व्यवस्था को एक माह बढाकर एक जून किया गया था। हालांकि मंदसौर जिले में अभी भी हजारों हितग्राहियों की केवायसी होना बाकी है।

केंद्र सीधे मॉनिटरिंग कर सकेगा–इस प्रणाली के लागू होने के बाद केंद्र सीधे मॉनिटरिंग कर सकेगा। स्मार्ट पीडीएस के तहत पारदर्शिता को बढाया जा रहा है, ताकि सभी राज्यों में खाद्यान्न वितरण को लेकर एक जैसी स्थिति रहे। कुछ राज्य अपने स्तर पर बदलाव कर लेते थे। लेकिन, अब राज्यों की स्थिति के आधार पर राशन देना होगा। अभी भी कुछ राज्यों में एपीएल को राशन दिया जाता है, जिसे अब बंद कर दिया जाएगा। वैसे पहले से ही वन नेशन वन राशन कार्ड लागू है, जिसके तहत पात्र हितग्राही देश में कहीं से भी राशन ले सकता है।

हाईस्कूल-हायर सेकेंडरी द्वितीय परीक्षा, 21 मई तक भर सकेंगे फॉर्म

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल की हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा में असफल रहे विद्यार्थियों को सफल होने का एक मौका और दिया जा रहा है। मंडल ने दोनों कक्षाओं की दूसरी परीक्षा का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। मुख्य परीक्षा में असफल रहे विद्यार्थी 17 जून से 05 जुलाई 2025 तक दूसरी परीक्षा दे सकेंगे। इसके लिए 21 मई तक परीक्षा फार्म भरे जा सकते हैं। उन्हें पोर्टल पर जाकर फार्म भरना होगा।

मुख्य परीक्षा में असफल रहे विद्यार्थियों का साल खराब न हो, इस उद्देश्य से मंडल ने इसी साल से दूसरी परीक्षा कराने का निर्णय लिया है। यह परीक्षा प्रतिदिन सुबह 09 से दोपहर 12 बजे तक डिजिटाइज्ड परीक्षा केंद्रों पर कराई जाएगी। इसमें वे विद्यार्थी भी शामिल हो सकेंगे। मुख्य परीक्षा में जिनका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है। मंडल ने अभिभावकों और विद्यार्थियों से अंतिम तिथि से पहले पंजीकरण कराने को कहा है। अधिकारियों ने कहा कि अधिक जानकारी के लिए पोर्टल विजिट करें या अपने स्कूल से संपर्क करें। यह अवसर न केवल छात्रों के आत्मविश्वास को बढाता है, बल्कि उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा में बनाए रखने के लिए एक व्यवहारिक पहल भी है।

यह हैं परीक्षा कार्यक्रम...

✻ हाई स्कूल (कक्षा 10वीं) की द्वितीय परीक्षा - 17 जून से 26 जून 2025 तक आयोजित की जाएगी। ✻ हायर सेकेंडरी (कक्षा 12वीं) की द्वितीय परीक्षा - 17 जून से 05 जुलाई 2025 तक आयोजित होगी।

कलेक्टोरेट के बाहर बुजुर्ग ने पगड़ी उतारकर अधिकारियों के पैर में रखी

दिया धरना, तहसीलदार ने समझाकर उठाया

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टोरेट में जनसुनवाई के दौरान कई लौटन यात्रा के माध्यम से अपनी आवाज उठाने और पीडा जाहिर करने का दौर तगडा चला। इसके बाद अधिकारियों ने सख्ती दिखाई। पुलिस और सुरक्षा बल तैनात किए गए। हालांकि अब कलेक्टोरेट के अंदर सख्ती के बाद कलेक्टोरेट के बाहर विरोध प्रदर्शन करने की शुरुआत हो गई।

मंगलवार को एक बुजुर्ग कलेक्टोरेट के बाहर धरने पर बैठ गया। इसके बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों के सामने उसने अपनी पगडी उतारकर रख दी। इसके बाद अधिकारियों ने समझाईश दी। जानकारी के... **शेष पेज 4 पर**

कार से मिली 11 पेटी शराब

मंदसौर/शामगढ, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। नगर के जूनापानी रोड से पुलिस ने एक कार से 11 पेटी शराब बरामद की हैं। मामले में आरोपी फरार हो गया हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मुखबीर सूचना पर पुलिस ने मौके पर खडी अल्टो गाडी की तलाशी ली। जिसमे करीब 11 पेटी शराब मिली। मामले में पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही हैं।

विचार-मंथन

ऑपरेशन सिंदूर के बाद करीब आ रहे भारत-अफगानिस्तान

तब से, भारतीय राजनयिकों ने तालिबान अधिकारियों के साथ मानवीय सहायता, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और अफगानिस्तान में भारतीय संपत्तियों और कर्मियों की सुरक्षा पर केंद्रित कई दौर की शांत चर्चाएं की हैं. इस साल जनवरी में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने दुबई में मुत्ताकी के साथ बैठक की थी. विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की. विदेश सचिव ने अफगान लोगों के साथ भारत की ऐतिहासिक मित्रता और दोनों देशों के बीच मजबूत लोगों के बीच संपर्क को रेखांकित किया. इस संदर्भ में, उन्होंने अफगान लोगों की तत्काल विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत की तत्परता से अवगत कराया।

भारत की दशकों पुरानी अफगान नीति ने इस सप्ताह एक नए फेज में प्रवेश किया. इस कड़ी में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को तालिबान द्वारा नियुक्त कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्ताकी के साथ सीधे बातचीत की. यह बातचीत पहलगाम आतंकवादी हमले के कुछ ही हफ्ते बाद हुई. इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी. मुत्ताकी द्वारा पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करना कूटनीतिक रूप से महत्वपूर्ण था. जिसने नई दिल्ली को अपनी आतंकवाद विरोधी चिंताओं को दबाने के लिए एक संभावित चैनल प्रदान किया. वहीं तालिबान शासन को औपचारिक मान्यता अब भी भारत की ओर से विचाराधीन है. ऐसे में भारत व्यावहारिक जुड़ाव की रणनीति पर काम करता हुआ दिखाई देता है, जिसका उद्देश्य अफगान धरती को एक बार फिर भारत विरोधी आतंकवाद के लिए लॉन्चपैड बनने से रोकना है. जयशंकर ने गुरुवार देर रात अपने एक्स हैंडल पर लिखा, आज शाम कार्यवाहक अफगान विदेश मंत्री मौलवी आमिर खान मुत्तकी के साथ अच्छी बातचीत हुई. पहलगाम आतंकवादी हमले की उनकी निंदा की मैं तहेदिल से सराहना करता हूं. झूठी और निराधार रिपोर्टों के जरिए भारत और अफगानिस्तान के बीच अविश्वास पैदा करने की हाल की कोशिशों को उनकी दृढ़ता से नकारने का स्वागत किया. अफगान लोगों के साथ हमारी पारंपरिक दोस्ती और उनकी विकास संबंधी जरूरतों के लिए निरंतर समर्थन को रेखांकित किया. सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों और साधनों पर चर्चा की. उधर, अफगान विदेश मंत्रालय ने एक्स पर कहा कि जयशंकर और मुत्ताकी के बीच चर्चा द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने, व्यापार को बढ़ावा देने और दोनों देशों के बीच राजनयिक जुड़ाव को उन्नत करने पर केंद्रित थी. मंत्रालय ने कहा, भारत को अफगानिस्तान के साथ ऐतिहासिक संबंध रखने वाला एक प्रमुख क्षेत्रीय देश बताते हुए विदेश मंत्री मुत्ताकी ने संबंधों को और मजबूत करने की आशा व्यक्त की. साथ ही संतुलित विदेश नीति और सभी पक्षों के साथ रचनात्मक जुड़ाव के लिए अफगानिस्तान की प्रतिबद्धता दोहराई. मंत्रालय के मुताबिक, मुत्ताकी ने जयशंकर से अफगान व्यापारियों और मरीजों के लिए वीजा जारी करने के साथ-साथ भारत में अफगान कैदियों की रिहाई और प्रत्यावर्तन को सुचारु बनाने का आग्रह किया. एक्स पर पोस्ट में लिखा गया है, भारत और अफगानिस्तान के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को मान्यता देते हुए, डॉ. जयशंकर ने अफगानिस्तान के लिए भारत के निरंतर समर्थन की पुष्टि की, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों में संयुक्त प्रयासों पर प्रकाश डाला. उन्होंने अफगान कैदियों के मामलों के समाधान में तेजी लाने और वीजा जारी करने की प्रक्रिया को बढ़ाने का भी वादा किया. इसमें कहा गया कि बातचीत के अंत में दोनों पक्षों ने ईरान में चाबहार बंदरगाह को और विकसित करने के महत्व पर जोर दिया. अगस्त 2021 में काबुल में इस्लामिक कट्टरपंथी समूह द्वारा सत्ता पर फिर से कब्जा करने के बाद यह पहली बार है, जब भारत के विदेश मंत्री ने तालिबान के विदेश मंत्री के साथ सीधे बातचीत की है. पिछली बार इस तरह की राजनीतिक बातचीत दिसंबर 1999 में हुई थी, जब तत्कालीन विदेश मंत्री जसवंत सिंह ने पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा इंडियन एयरलाइंस की उड़ान दूध-814 के अपहरण के बाद कंधार हवाई अड्डे पर तत्कालीन तालिबान विदेश मंत्री वकील अहमद मुत्तवकिल के साथ बैठक की थी. तालिबान के सत्ता में वापस आने के बाद से अफगानिस्तान के प्रति भारत के कूटनीतिक रुख में धीरे-धीरे लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव आया है. शुरू में सतर्क और अनिर्णीत रहने वाली नई दिल्ली ने पिछले दो वर्षों में तालिबान शासन के साथ सीमित लेकिन जानबूझकर जुड़ाव की ओर कदम बढ़ाया है. यह बदलाव रणनीतिक अनिवार्यताओं द्वारा आकार लिया गया है. इनमें से प्रमुख हैं क्षेत्रीय स्थिरता, आतंकवाद का मुकाबला और अफगानिस्तान में भारतीय हितों की सुरक्षा. जून 2022 में, भारत ने दूतावास के भीतर एक तकनीकी टीम के रूप में काबुल में अपना राजनयिक मिशन फिर से खोल दिया. ऐसा करके औपचारिक मान्यता के बिना जुड़ने की इच्छा का संकेत दिया।

भारत से नई ग्लोबल ग्रीन पार्टनरशिप बनाने का आह्वान

अपर्णा राय

जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन महाद्वीप पर अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है. यूरोपीय आयोग ने पहले ही अनुमान लगाया है कि 3 डिग्री सेल्सियस वैश्विक तापमान वृद्धि 2100 तक यूरोपीय संघ के सकल घरेलू उत्पाद को 7 प्रतिशत तक कम कर सकती है. यूरोपीय एनवायर्नमेंट एजेंसी और ज्वाइंट रिसर्च सेंटर द्वारा किए गए एक संयुक्त आकलन में चेतावनी दी गई है कि यूरोप में चरम मौसम की घटनाओं से होने वाली वार्षिक आर्थिक क्षति दस गुना बढ़ सकती है . पिछले दशक में 12 बिलियन यूरो से लेकर 2100 तक 170 बिलियन यूरो तक अगर पर्याप्त शमन नहीं किया गया. ये बढ़ती घरेलू कमजोरियां यूरोप की बाहरी जलवायु वित्तपोषण प्रतिबद्धताओं के पुनर्मूल्यांकन को गति प्रदान कर सकती हैं. भारत जैसे देशों के लिए यह उभरती हकीकत रणनीतिक सवाल उठाती है. क्या भारत जलवायु वित्त और स्वच्छ तकनीकी सहायता के लिए पारंपरिक भागीदारों पर निर्भर रहना जारी रख सकता है? या क्या उसे अधिक खंडित जलवायु परिदृश्य को नेविगेट करने के लिए अपनी वैश्विक साझेदारियों की फिर से कल्पना करनी चाहिए? भारत को सबसे पहले यूरोप से जलवायु वित्त प्रवाह को मजबूत करने के लिए तैयार रहना चाहिए. 2022 में यूरोपीय संघ के देशों ने संयुक्त रूप से अंतरराष्ट्रीय जलवायु वित्त में लगभग 23 बिलियन यूरो का योगदान दिया, जो यूएनएफसीसीसी के तहत विकसित देशों द्वारा प्रतिबद्ध सभी जलवायु वित्त का लगभग 45 प्रतिशत है. भारत को भारत-यूरोपीय संघ स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु भागीदारी (सीईसीपी) जैसे तंत्रों के माध्यम से इसका सीधा लाभ मिला है, जिसने सौर पार्क विकास, स्मार्ट ग्रिड और क्लाइमेट-रीसाइलेंट शहरी नियोजन के लिए 200 मिलियन यूरो से अधिक की प्रतिबद्धता जताई है. हालांकि, संकुचन के शुरुआती संकेत स्पष्ट हैं. ब्रिटेन ने अपने आफिशियल डेवलपमेंट असिस्टेंट बजट को सकल राष्ट्रीय आय के 0.5 प्रतिशत से घटाकर 0.3 फीसदी कर दिया. सहायता में 4 बिलियन यूरो से अधिक की कटौती की है, जिसमें से कुछ दक्षिण एशिया में जलवायु अनुकूलन और क्षमता निर्माण परियोजनाओं को वित्त पोषित करते हैं. जर्मनी के 2023 के बजट में विदेशी विकास निधि में 15 प्रतिशत की कटौती देखी गई, जबकि बेल्जियम ने कई नए द्विपक्षीय सहायता कार्यक्रमों को रोक दिया है. ये कटौती भारत के लिए एक चेतावनी संकेत है, जो पहले से ही 2030 तक अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान को पूरा करने के लिए 130 बिलियन डॉलर वार्षिक जलवायु वित्त घाटे का सामना कर रहा है. इस उभरती कमी को पूरा करने के लिए भारत को बहुपक्षीय और दक्षिण-दक्षिण साझेदारी पर दोगुना जोर देना चाहिए. ब्रिक्स के नेतृत्व वाला न्यू डेवलपमेंट बैंक अपने 25 बिलियन डॉलर के पूंजी आधार और जलवायु ऋण में बढ़ती रुचि के साथ रियायती वित्त का एक प्रमुख सोर्स बन सकता है. भारत एनडीबी को टियर-2 और टियर-3 शहर के बुनियादी ढांचे को वित्तपोषित करने के लिए स्थानीय-मुद्रा जलवायु बांड का संचालन करने के लिए प्रोत्साहित करने के प्रयासों का नेतृत्व कर सकता है, जिसे अक्सर कथित जोखिमों के कारण वैश्विक पूंजी द्वारा अनदेखा किया जाता है. आगामी ब्रिक्स और सीओपी30 अध्यक्ष के रूप में ब्राजील ने %बाकू टू बेलेम% पहल शुरू की है, जिसका लक्ष्य 2035 तक ग्लोबल साउथ के लिए 1.3 ट्रिलियन डॉलर का क्लाइमेट फंड जुटाना है. भारत इस पहल को को-डिजाइन करने में एक निर्णायक भूमिका निभा सकता है. इसके अतिरिक्त, वैश्विक परोपकारी जलवायु निधि में वृद्धि हो रही है. अकेले बेजोस अर्थ फंड ने जलवायु समाधानों के लिए 10 बिलियन डॉलर का वादा किया है और ब्लूमबर्ग फिलैंथ्रोपीज ने क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन में तेजी लाने के लिए 2023 में 500 मिलियन डॉलर से अधिक वितरित किए हैं. भारत की सेंट्रलाइज रेन्युबल एनर्जी परियोजनाओं या हीट एक्शन प्लान में ऐसी परोपकारी पूंजी को एकत्रित करने के लिए एक राष्ट्रीय मंच लचीले, तेजी से वितरित होने वाले फंड को खोल सकता है.दूसरी बड़ी चिंता टेक्नोलॉजी ट्रांसफर है. भारत-यूरोपीय संघ सीईसीपी और होराइजन यूरोप कार्यक्रम, जिसने ग्रीन हाइड्रोजन और बैटरी स्टोरेज में संयुक्त अनुसंधान के लिए 60 मिलियन यूरो की प्रतिबद्धता जताई है. इसमें ठहराव या विचलन का रिस्क हो सकता है. यूरोप की आंतरिक जलवायु अनिवार्यताएं - जैसे कि यूरोपीय ग्रीन डील औद्योगिक योजना और आरई पावर ईयू - घरेलू अक्षय ऊर्जा उत्पादन में बड़े पैमाने पर निवेश को बढ़ावा दे रही है, जिसमें यूरोपीय संघ ने 2030 तक 600 गीगावाट सौर और पवन ऊर्जा का लक्ष्य रखा है. इधर भारत को अपने क्लीन टेक्नोलॉजी अलायंस को फिर से जांचना चाहिए. भारत-चीन संबंधों में हाल ही में आई नरमी तकनीकी सहयोग को फिर से बनाने के लिए एक स्ट्रेटिजिक विंडो प्रदान करती है. खासकर तब जब चीन वैश्विक सौर घटकों के 60 प्रतिशत से अधिक की सप्लाई करता है और बैटरी सप्लाई सीरीज पर हावी है. इसी तरह, दक्षिण कोरिया की एलजी और सैमसंग एसडीआई सॉलिड-स्टेट और उच्च घनत्व वाली बैटरी तकनीक में विश्व की अग्रणी हैं. 2023 में भारत के एडवांस बैटरी आयात में दक्षिण कोरिया का हिस्सा 25 प्रतिशत से अधिक था. दक्षिण कोरिया और जापान के साथ संयुक्त उद्यमों और सह-विकास प्लेटफार्मों के माध्यम से क्लीन टेक्नोलॉजी सहयोग को मजबूत करना - विशेष रूप से क्वाड के जलवायु कार्य समूह के माध्यम से - प्रौद्योगिकी और विशेषज्ञता हासिल करने में सहायक हो सकता है. तीसरी चुनौती क्लीन एनर्जी सप्लाई सीरीज सिक्योरिटी है. यूरोपीय संघ के महत्वपूर्ण कच्चे माल अधिनियम (2024), जिसे 2030 तक बाहरी सप्लायर्स पर निर्भरता कम करने के लिए डिजाइन किया गया है. इसका लक्ष्य है कि यूरोपीय संघ की क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजीज में उपयोग किए जाने वाले कम से कम 40 प्रतिशत महत्वपूर्ण खनिजों को घरेलू स्तर पर प्रोसेस किया जाना चाहिए. यूरोप की स्थानीयकरण महत्वाकांक्षाएं लिथियम, कोबाल्ट और दुर्लभ अर्थ एलिमेंट जैसे खनिजों की ग्लोबल सप्लाई को कम कर सकती हैं।

साधन-सुविधाओं का उपभोग एक हद तक ठीक

सतीश खनगवाल

आज सोचने-समझने का स्वरूप किस कदर बदल रहा है, इसका अंदाजा इस उदाहरण से लगाया जा सकता है कि एक परिचित व्यक्ति ने कार की साफ-सफाई करते हुए अपनी कोई तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा कर दी, तो उसे यह कहा गया कि 'क्या महोदय, आप खुद अपनी कार की साफ-सफाई करते हैं? इसके लिए तो आजकल बड़े आराम से आदमी मिल जाते हैं, जो मात्र हजार रुपए में पूरे महीने कार की साफ-सफाई कर देते हैं।' किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को नई पीढ़ी की इस सोच पर आश्चर्य से ज्यादा खेद होगा। नई पीढ़ी में यह कैसी सोच विकसित हो रही है? माना कि बाजार के इस युग में हर काम के लिए आदमी सुलभ है, पर घर के छोटे-मोटे काम जो हम स्वयं बड़ी आसानी से कर सकते हैं, उसके लिए हम किसी बाहरी व्यक्ति पर निर्भर क्यों हों? कुछ साल पहले तक ज्यादातर लोग घर के कई काम स्वयं कर लेते थे। जैसे पानी की टंकी में घुसकर उसे साफ करना। दीपावली के स्वच्छता अभियान में छत से पंखे उतार लेना, उसकी पंखुड़ियों को अलग कर उनकी सफाई कर फिर जोड़कर पंखें को वापस लगा देना। महीने दो महीने में पानी का भरा हौद खाली करके उसकी सफाई कर देना। उन दिनों बिजली के लिए घरों में एमसीबी के स्थान पर 'फ्यूज' होते थे जो बिजली के जरा से उतार-चढ़ाव के साथ ही जल जाते थे, जिसे 'फ्यूज' उड़ना कहा जाता था। 'फ्यूज' को अपनी जगह से निकाल कर उसमें तांबे का तार बांधना थोड़ा खतरनाक काम था, पर उस काम को भी बड़ी कुशलता से कर लिया जाता था। दीपावली के समय रोशनी के लिए लगाई गई झालर खराब होने पर 'टेस्टर' की सहायता से खराब बल्ब को खोजकर उसके स्थान पर नया बल्ब जोड़ना उस समय बच्चों के लिए एक खेल होता था। पानी की मोटर, कूलर और पंखों के सामान और कूलर के पम्प आसानी से बदल दिए जाते थे। पानी के पाइपों और नलों की छोटी-मोटी टूट-फूट के लिए हमें कभी अन्य व्यक्ति की आवश्यकता नहीं पड़ी। पेड़-पौधों की कटाई-छंटाई और देखभाल आमतौर पर हम खुद कर लेते थे। उस दौर में साइकिल या स्कूटर के पंचर तक भी कुछ लोग खुद ही जोड़ लेते थे। स्कूटर-मोटर साइकिल के स्टार्ट न होने पर प्लग को खोलकर बड़ी आसानी से साफ कर लिया जाता था। अगर घर का निर्माण कार्य चल रहा होता था तो परिवार के सदस्य बिना किसी शर्म-संकोच के ईंट-पत्थर ढो लेते थे। बच्चों के लिए तो यह काम कम, एक प्रकार का खेल ही होता था। धीरे-धीरे समय बदला। बाजार ने आदमी की सोच को गहरे तक प्रभावित किया और उसकी धारणाओं को भी बदला। अब लोग अपने ही घर के छोटे-मोटे कामों को करना अपने स्टेट्स सिंबल या हैसियत के प्रतीक के विपरीत समझने लगे। जिन लोगों ने ऐसे काम करना नहीं छोड़ा, उन्हें कंजूस समझा जाने लगा और उसके पड़ोसियों एवं परिचितों द्वारा उसे हेय दृष्टि से देखा जाने लगा। नई पीढ़ी की स्थिति तो यह हो गई है कि छोटे-मोटे औजारों को हाथ में पकड़ना ही उन्हें अपमानजनक लगने लगा है। आज बाजारवाद ने हमें बहुत अधिक पराश्रित कर दिया है। दिखावे की हैसियत के मारे हम लोग दूसरों पर इतने निर्भर होते जा रहे हैं कि बाजार हमारी इस आरामपरस्ती को भुनाने में लगा हुआ है। आज हमारा मोबाइल दुनिया भर के एप से भरे हुए हैं। छोटे से छोटे काम के लिए भी हमारी युवा पीढ़ी मोबाइल एप का प्रयोग करती है और आदमी हाजिर हो जाता है। दूसरों पर यह निर्भरता इतनी खतरनाक सिद्ध हुई है कि जो काम हम स्वयं कर सकते हैं, उसके लिए भी हमें दूसरों का मुंह देखना पड़ता है।

सनातन हिंदू धर्म एवं भारत में उत्पन्न समस्त मत पंथ विश्व में शांति चाहते हैं

भारत में विकसित हुए मत पंथों में बौद्ध धर्म की उत्पत्ति भगवान बुद्ध की शिक्षाओं के आधार पर हुई है। यह शिक्षाएं मानव जीवन से दुःख और उसके कारणों को दूर करने के सम्बंध में हैं। बौद्ध धर्म में ध्यान, प्रेम एवं करुणा पर जोर दिया जाता है। भारत में सनातन हिंदू धर्म तो अनादि एवं अनंत काल से चला आ रहा है परंतु बाद के खंडकाल में भारत में कई अन्य प्रकार के मत पंथ भी विकसित हुए हैं जैसे बौद्ध धर्म, जैन धर्म, सिख धर्म आदि। भारत में विकसित विभिन्न मत पंथ मूलतः सनातन हिंदू संस्कृति का ही अनुपालन करते हुए दिखाई देते हैं और ऐसा कहा जाता है कि यह समस्त मत पंथ सनातन हिंदू धर्म की विभिन्न धाराएं ही हैं। भारत में विकसित मत पंथ सामान्यतः अपने दर्शन, कर्मकांड एवं सामाजिक ताने बाने के दायरे में अपने धर्म का अनुपालन करते हैं। भारत में हिंदू धर्म के सिद्धांतों पर चलने वाले नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है एवं यह भारत का सबसे बड़ा धर्म है, जिसमें विभिन्न देवी देवताओं और पूजा प्रथाओं की एक विस्तृत प्रणाली शामिल है। भारत में विकसित हुए मत पंथों में बौद्ध धर्म की उत्पत्ति भगवान बुद्ध की शिक्षाओं के आधार पर हुई है। यह शिक्षाएं मानव जीवन से दुःख और उसके कारणों को दूर करने के सम्बंध में हैं। बौद्ध धर्म में ध्यान, प्रेम एवं करुणा पर जोर दिया जाता है। बौद्ध धर्म में कर्मकांड के महत्व को भी रेखांकित किया गया है परंतु इसका उद्देश्य ईश्वर की आराधना नहीं बल्कि मोक्ष की प्राप्ति करने से है। भारत में ही विकसित दूसरे महत्वपूर्ण मत पंथ, जैन धर्म में अहिंसा, आत्म संयम, सत्य एवं ईमानदारी पर अधिक जोर दिया जाता है। जैन धर्म में ऐसा माना जाता है कि मोक्ष की प्राप्ति स्वयं के प्रयासों से ही सम्भव है। भारत में ही विकसित तीसरा महत्वपूर्ण मत पंथ है सिख धर्म जिसकी स्थापना श्री गुरु नानक देव जी ने की थी। सिख धर्म ईश्वर में विश्वास, सेवा, समानता एवं सत्यनिष्ठ पर आधारित है। सिख धर्म में ईश्वर की उपासना की जाती है परंतु यह उपासना कर्मकांड से परे हैं। भारत की सनातन हिंदू संस्कृति को पूरे विश्व में अति प्राचीन संस्कृति के रूप में देखा जाता है। मूल रूप से भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में आध्यात्म का विशेष महत्व है जिसके अंतर्गत 'वसुधैव कुटुंबकम', 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय', 'विश्व का कल्याण हो', 'किसी भी जीव का अहित न हो' जैसे भावों पर अमल करने का प्रयास किया जाता है। भारत में चूंकि मनुष्य के साथ साथ जीव जंतुओं, नदियों, पहाड़ों, पेड़ पौधों एवं जंगलों, आदि में भी ईश्वर का वास माना जाता है इसलिए किसी भी जीव को कोई क्षति न हो इस भावना को न केवल को आगे बढ़ाया जाता है बल्कि इस सिद्धांत पर अमल भी किया जाता है। इसीलिए भारत मूलतः शांतिप्रिय देश माना जाता है तथा भारत में हिंसा के लिए तो कोई जगह ही नहीं है। आदि द्वारा काम, कर्म एवं अर्थ को धर्म के साथ जोड़कर ही सम्पन्न करने के उपदेश दिए जाते हैं। उदाहरण के लिए, महाभारत में वेद व्यास जी ने धर्म के आठ तरीके बताए हैं - (1) यज्ञ - जिसका आशय है कि ऐसा कर्म जो समाज के लाभ के लिए किया जाता है। (2) दान - समाज की सहायता करना। (3) तप - अर्थात स्वयं में सुधार करते रहना, स्वयं का मूल्यांकन करना तथा नकारात्मक गुणों को दूर कर सकारात्मक गुणों का विस्तार करना। (1) सत्यम् - सत्य के मार्ग पर चलना। (1) क्षमा -दूसरों तथा स्वयं को गलतियों के लिए क्षमा करना। (प्रथम) दंभ - इंद्रियों को वश में रखना। (द्वितीय) आलोभ - लालच नहीं करना एवं लालच में न आना। (तृतीय) अध्ययन - स्वयं और दुनिया का अध्ययन करना।

जनसुनवाई के दौरान 98 मामलों में सुनवाई की

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान अपर कले:टर श्रीमती एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 98 आवेदकों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही निमच निवासी आवेदक लक्ष्मीनारायण पेंशन प्रदान करने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर पीजी कॉलेज प्रचार्य को निर्देश दिए जांच कर कार्यवाही करें। मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ के राधेश्याम कुमावत ने किसान सम्मान निधि प्रदान करने के संबंध में आवेदन दिया जिस पर मल्हारढ़ तहसीलदार को निर्देश दिए जांच कर कार्यवाही करें। मंदसौर जिले के दाउदखेड़ी के जाकीर ने बी पी एल राशन कार्ड प्रदान करने के संबंध में आवेदन दिया जिस पर मंदसौर तहसीलदार को निर्देश दिए जांच कर कार्यवाही करें। मंदसौर जिले के गरोठ की चंदाबाई ने कृषि भुमी का सिमांकन करने के संबंध में आवेदन दिया जिस पर गरोठ तहसीलदार को निर्देश दिए जांच कर कार्यवाही करें। इसके साथ ही जनसुनवाई के दौरान सिलिकॉसिस बिमारी से पिड़तों को आर्थिक सहायता प्रदान करने, कृषि भुमी पर कब्जा व फसल नुकसान, भवन निमार्ण की मजदुरी नही मलने, विद्युत बिल की वसुली माफ करने, मुख्यमंत्री संबल राशी प्रदान करने आदि के संबंध में आवेदन आये।

राजीव जी की पुण्यतिथि पर दी जाएगी श्रद्धांजलि

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। 21 मई राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर शहर ब्लॉक कांग्रेस मन्दसौर द्वारा जिला कांग्रेस कार्यालय पर राजीव गांधी हॉल में बुधवार प्रात: 11 बजे कार्यक्रम आयोजित कर श्रद्धांजलि दी जाएगी। इस अवसर पर उनके द्वारा देश हित में किए कार्यों की स्मरण किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने बताया कि कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक श्री विपिन जैन एवं वरिष्ठ नेता गण शामिल होंगे। डॉ तोमर ने अपील की है कि सभी कांग्रेस जन समय पर साथियों सहित उपस्थित होकर अपनी भागीदारी करें।

वृद्ध को पीटा, 3 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। वृद्ध से मारपीट के मामले में पुलिस ने महिला सहित तीन आरोपियों पर केस दर्ज किया। काचरिया कदमाला निवासी रोडूलाल पिता खीमा बागरी ने नारायणगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि आंधी के कारण बिजली के तार टूट गए थे। इस बात पर पड़ोसी कैलाश बागरी, उसकी पत्नी विद्याबाई व सूरज तीनों आए और बोले कि तूने हमारे घर की लाइन काट दी। तीनों ने गाली-गलौज कर मारपीट की। पत्थर की मारी, जिससे सिर पर चोंट आई। पुलिस ने तीनों पर केस दर्ज किया।

शिवना शुद्धिकरण अभियान के अंतर्गत पीजी कॉलेज स्टाफ ने किया श्रमदान

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डॉ. जे.एस. दुबे ने बताया है कि नगर में शिवना नदी शुद्धिकरण अभियान तीव्र गति से संचालित हो रहा है, जिसमें नगर के अनेक जागरूक नागरिक, सामाजिक संगठन एवं शैक्षणिक संस्थाएँ सहभागिता निभा रही हैं। इसी तारतम्य में पी.जी. कॉलेज स्टाफ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा इस अभियान में सक्रिय सहभागिता की गई। स्टाफ सदस्यों तथा एनएसएस स्वयंसेवकों ने नदी से जलकुंभी एवं खरपतवार हटाकर तटवर्ती क्षेत्र की साफ-सफाई की। यह कार्य न केवल स्वच्छता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि स्थानीय पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी प्रेरणादायक प्रयास है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. जे. एस. दुबे ने कहा कि शिवना नदी मंदसौर की जीवन रेखा है और इसका संरक्षण प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार आर्य कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल सफाई नहीं, बल्कि नदी के अस्तित्व और स्वाभाविक प्रवाह को सुरक्षित रखना है। शिवना शुद्धिकरण अभियान में प्राचार्य डॉ. जे.एस. दुबे, डॉ. आर. के. व्यास, डॉ. टी. के. झाला, डॉ. आर.सी. डाड, डॉ. अनिल कुमार आर्य, डॉ. ललिता लोधा, श्री राजू कुमार, प्रो. गौरव पाटीदार, प्रो. अशोक पाटीदार, डॉ. गोविंद शर्मा, प्रो. संदीप सोनगरा, प्रो. मनीष तिवारी तथा महाविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवकों समेत बड़ी संख्या में नगरवासियों ने सक्रियता से भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली।

एबीवीपी ने जल मंदिर का किया निर्माण

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) मंदसौर पीजी कॉलेज परिसर इकाई द्वारा कॉलेज परिसर में जल मंदिर का निर्माण किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. जे.एस. दूबे द्वारा जल मंदिर का विधिवत उद्घाटन किया गया। प्राचार्य श्री दूबे ने विद्यार्थी परिषद की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां छात्रों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना जागृत करती हैं। आपने कहा कि यह पहल अभाविप की पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण की सोच को दर्शाती है। कार्यक्रम का नेतृत्व परिसर अध्यक्ष अमित गुप्ता ने किया। उनके साथ परिषद उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह परिहार, अर्जुन सिंह देवड़ा, आनंद प्रताप सिंह, राहुल ठाकुर, आशीष चौहान सहित अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

शनि मंदिर में महाप्रसादी का आयोजन 27 को

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। भगवान शनिदेव की जयति पर दिनांक 27 मई मंगलवार को समाजसेवी श्री कोमल बाफना परिवार के द्वारा महाप्रसादी का भव्य आयोजन किया जायेगा। खानपुरा स्थित भगवान शनिदेव के मंदिर पर प्रतिवर्ष समाजसेवी श्री कोमल बाफना के द्वारा महाप्रसादी का आयोजन विगत कई वर्षों से किया जा रहा है। इसी परम्परा को कायम रखते हुए इस वर्ष भी भगवान श्री शनिदेव की जयंती पर 27 मई 2025 मंगलवार को प्रात: 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक महाप्रसादी का आयोजन शनि मंदिर के समीप खुले मैदान में किया जायेगा। इसके पूर्व प्रात: 6 बजे बाफना परिवार व धर्मालुजनों के द्वारा भगवान शनिदेव की विशेष पूजा अर्चना की जायेगी तथा भगवान शनिदेव की प्रतिमा का तेलाभिषेक किया जायेगा। भगवान शनिदेव की जयंती पर दिनांक 26 व 27 मई को भगवान शनिदेव के मंदिर पर विशेष विद्युत साज सज्जा की जायेगी। भगवान शनिदेव की जयंती पर होने वाले महाप्रसादी के आयोजन की तैयारियों को लेकर समाजसेवी श्री कोमल बाफना ने महाप्रसादी के स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान पूर्व पार्षद अरविन्द कागला, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी हेमचन्द्र शर्मा, जाकिर भाई भी साथ थे। समाजसेवी श्री बाफना ने इस अवसर पर महाप्रसादी के लिये लगाये जाने वाले टेंट एवं अन्य व्यवस्थाओं को भी देखा। श्री बाफना ने महाप्रसादी स्थल पर सफाई की व्यवस्था बेहतर हो इस संबंध में स्वास्थ्य अधिकारी श्री शर्मा व गैरेज सहायक जाकिर भाई से चर्चा भी की।

बिटकॉइन ट्रेड हवाला की तरह अवैध कारोबार, यह अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 20 मई। सुप्रीम कोर्ट ने बिटकॉइन ट्रेड को हवाला कारोबार की तरह ही अवैध व्यापार करार दिया। जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी के लिए एक समानांतर अंडर-मार्केट है और यह अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि आप क्रिप्टोकरेंसी को रेगुलेट करने के लिए स्पष्ट नीति क्यों नहीं बनाते। बेंच ने केंद्र की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा कि क्रिप्टोकरेंसी को रेगुलेट करके, सरकार व्यापार पर नजर रख सकती है। बेंच ने केंद्र सरकार को याद दिलाया कि उसने लगभग दो साल पहले डिजिटल करेंसी को लेकर भारत की नीति पर स्पष्टता मांगी थी। इसके बावजूद सरकार इसे रेगुलेट करने में विफल रही। यह एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर आंखें मूंदने के समान है। कोर्ट ने केंद्र से कहा, आपसे कोई नहीं कह रहा है कि बिटकॉइन ट्रेड पर रोक लगा दीजिए, क्योंकि आपने पहले कहा था कि क्रिप्टोकरेंसी अवैध नहीं है और इस पर बैन लगाना अर्थव्यवस्था के लिए बुद्धिमानी नहीं होगी।

लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर को नमन से हुई मंत्रिमण्डल बैठक की शुरुआत

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। इंदौर के राजवाड़ा में आयोजित मंत्रिमण्डल की महत्वपूर्ण बैठक का शुभारंभ प्रात: स्मरणीय देवी अहिल्या बाई होलकर के नमन के साथ किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजवाड़ा के समीप स्थित उद्यान में देवी अहिल्या बाई होलकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुःल तथा श्री जगदीश देवड़ा सहित मंत्रीगण श्री प्रहलाद पटेल, श्री राकेश सिंह, श्री कैलाश विजयवर्गीय, श्री तुलसीराम सिलावट और अन्य मंत्रीगणों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित मंत्रीगणों का मालवीय परम्परा के अनुरूप पगड़ी पहनाकर स्वागत-सत्कार किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और मंत्रीगणों ने इस स्मृति को चिरस्थायी बनाये रखने के लिये सामूहिक फोटो भी खिंचवाये। इसके पश्चात वे राजवाड़ा पहुंचे।

बस में सवार होकर पहुंचे राजवाड़ा– मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश के मंत्रीगणों ने लालबाग में आयोजित जीर्णोद्धार कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसके पश्चात वे बसों में बैठकर राजवाड़ा पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजवाड़ा के दरबार हाल के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ किया मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंत्रिमण्डल की बैठक में शामिल होने के लिये राजवाड़ा पहुंचे। राजवाड़ा पहुंचते ही उन्होंने इंदौर के गौरव राजवाड़ा के प्रसिद्ध दरबार हाल के संरक्षण एवं पुर्नस्थापना कार्य का शुभारंभ किया। यह कार्य मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय द्वारा प्रदेश की समृद्ध, सांस्कृतिक और स्थापत्य विरासत के संरक्षण की दिशा में कराया जा रहा है। इस कार्य से दरबार हाल के गौरव को पुन: लौटाया जायेगा। इस कार्य के लिये राज्य शासन द्वारा 11 करोड़ 21 लाख रूपये सिंहस्थ मद के तहत स्वीकृत किये गये हैं। यह कार्य होने से इंदौर की पहचान होलकरकालीन स्थापत्य की कला को उसका मूल भव्य स्वरूप प्राप्त होगा। सांस्कृतिक गतिविधियों, धरोहर भ्रमण और विरासत पर्यटन के एक सक्रिय केन्द्र के रूप से पुन: विकसित किया जायेगा।

शहरी साख संस्थाओं में जमाकर्ता अपने जोखिम पर राशि जमा करें–डाबर

नीमच, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। कार्यालय आयुक्ति सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं म.प्र.भोपाल के द्वारा निर्देश जारी किए गए थे, कि म.प्र.सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 के अंतर्गत पंजीकृत शहरी साख सहकारी संस्थाथओं (क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी) के सदस्य जमाकर्ताओं को परामर्श दिया गया है, कि वे स्वेयं अपनी रिस्कं पर ऐसी शहरी साख सहकारी संस्था ओं में राशि जमों करें, यदि संबंधित साख संस्था ओं द्वारा जमाकर्ताओं की राशि का भुगतान नहीं किया जाता है, तो इस हेतु पंजीयक, संयुक्तं पंजीयक, उप, सहायक पंजीयक जिम्मेदार नहीं होंगे। यह जानकारी सहायक आयुक्त सहकारिता नीमच श्री राजू डाबर ने दी हैं। उन्होपने कहा, कि जमाकर्ता अपनी जोखिम पर ही साख सहकारी संस्थाओं में राशि जमा करवाएं।

गायत्री परिवार ने 15 गांवों में निकाली अखंड ज्योति कलश रथयात्रा

पिपलियामंडी, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार से पूजित होकर निकला दिव्य कलश रथ मल्हारगढ तहसील के 15 ग्रामों में निकला। जिसमें अनेक तीर्थों का जल रज और युग ऋषि पंडित श्रीराम शर्मा द्वारा 1926 में प्रज्वलित अखंड ज्योति के थी। जिसके सानिध्य में 24 वर्षों तक गायत्री साधना की। उसी तप ऊर्जा, आशीर्वाद को लेकर इस कलश यात्रा ने मध्यप्रदेश के अनेक जिलों में भ्रमण करते किया। पांच दिनों में तक कलशयात्रा तहसील के बूढा, मगराना, लिम्बावास, बालागुढा, उमरिया, डूंगलावदा, पिपलियामंडी, रूपी, नारायणगढ, गुडभेली, मुन्देडी, जलोदिया, लूनाहेडा, मल्हारगढ होते हुए अमरपुरा पहुंची। सभी जगह ग्रामवासियों ने कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया। गायत्री परिवार के जिला सह समन्वयक राधेश्याम शर्मा, रामचंद्र जोशी ने बताया कि 2026 में गुरुदेव द्वारा प्रज्वलित अखंड दीपक की व वंदनीया माता भगवतीदेवी शर्मा दोनों की जन्मशताब्दी मनाई जा रही है। इस दौरान घर-घर में गायत्री मंत्र का जाप होगा एवं विभिन्न अनुष्ठान होंगें। भारतीय संस्कृति के अनुसार पुंसवन, जन्मदिवस, अन्नप्राशन, विद्यारंभ, विवाह दिवस आदि संस्कारों के साथ ही यज्ञोपवीत एवं शिखा स्थापना के कार्यक्रम भी व्यापक तौर पर सम्पन्न होंगे।

शिवना नदी को जलकुंभी मुक्त करने का कार्य तेजी से जारी

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। विधायक श्री विपिन जैन के आव्हान पर शुरू हुए शिवना शुद्धिकरण अभियान को 20 दिन हो गये। इन दिनों में नगर के समाजों, सामाजिक संगठनों, युवाओं, मातृशक्ति, कांग्रेसजनों ने श्रमदान कर शिवना नदी को जलकुंभी मुक्त करने का प्रयास जोरो से जारी है। प्रतिदिन 2 घण्टे श्रमदान में अपना पसीना बहाकर जिम्मेदार नागरिकों द्वारा शिवना को साफ व स्वच्छ किया जा रहा है। 20 मई को बड़ी संख्या में श्रमदानियों ने सहभागिता कर 19 ट्राली जलकुंभी व गंदगी शिवना नदी से बाहर निकाली।

मंगलवार को श्रमदान करने वालों में विधायक विपिन जैन, समाजसेवी पूर्व टीआई रामचन्द्र मालवीय, अभिषेक तिवारी, विजय आनंद, हेमंत जैसवार, रमेश सोनी, एम्ब्रोज अल्टर, राकेश जैन पींटू, प्रतीक जैन, दिनेश चौधरी, सुरेश चौहान, घनश्याम भावसार, उद्यानिकी महाविद्यालय से डॉ. आई.एस. तोमर, अभिषेक राठौर, किसान विज्ञान केन्द्र मंदसौर का स्टॉफ, इनरव्हील क्लब से शर्मिला बसेर, प्रीति छाबड़ा, लबाना चौधरी, कलाल समाज से शर्मिला बसेर, पवन लता बसेर, नीशा बसेर, अनुप बसेर, नितनेश बसेर, कृष्णा बसेर, जिनेन्द्र बसेर, विकास बसेर, पूज्य सिंधी जनरल पंचायत से वासुदेव सेवानी, राजेश चाहुजा, दयाराम जैसवानी, दशपुर जागृति संगठन से डॉ. देवेन्द्र पुराणिक, राजाराम तंवर, राजेन्द्र चाष्ठ, सत्येन्द्रसिंह सोम, रविन्द्र पाण्डे, बालुसिंह सिसौदिया, नंदकिशोर राठौर, हरिशंकर शर्मा, अरूण गौड, जितेन्द्र जैन, आर.सी. पाण्डे, शिवशंकर शर्मा, मेवाड़ा सेन समाज से ब्रजेश सेन मारोठिया, नंदकिशोर राठौर, शैलेन्द मारोठिया, आदित्यसिंह मारोठिया, कमल मारोठिया, लक्ष्यराज सेन, प्रकाश मारोठिया, सतीश परिहार, महेश परिहार, ग्राम अमलावद से कैलाश कुमावत, महिपालसिंह, इन्द्रेश कुमावत, मुकेश मीणा, कांग्रेसजन राघवेन्द्रसिंह तोमर, विकास दशोरा, तरूण खीची, राजनारायण लाड, रमेश सिंगार, राजेश फरक्या, मनोहर नाहटा, विश्वास दुबे, महेश गुप्ता, संजय नाहर, गणपत कुमावत, अशोक राव, महेश मोदी, शिवशंकर सौलंकी, रिषिराज लाड, रामगोपाल चौहान, सादीक गौरी, भंवरलाल प्रजापत खिलचीपुरा, अकरम खान, अमित छाबड़ा, अजय सोनी, गोपाल बंजारा, घनश्याम लोहार, मनोहर रत्नावत, मनोज गोड, मिथुन कटारिया, विजयसिंह सिसौदिया, पंकज रैकवार, महिला नेत्री में बबीतासिंह तोमर, सोनाली जैन, इष्ठ भाचावत, सुनीता बंडी, मीना चौहान, दीपाली पोरवाल, शैली पोरवाल, गीताली पोरवाल, प्रमिता पंवार, नीता दादवानी, वर्षा दोसरिया, कौशल्या त्रिवेदी, प्रमिला नाहर सहित बड़ी संख्या में श्रमदानी उपस्थित रहे।

अभा ग्राहक पंचायत की प्रांत बैठक सम्पन्न, मालवा प्रांत की नवीन कार्यकारणी घोषित

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, ग्राहक जागरण व ग्राहक के हित के लिये कार्य करता है। प्रांत कार्यालय 80, नारायण बाग इन्दौर में त्रेमसिक प्रांत बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में केंद्रीय संगठन मंत्री दिनकर सबनीस ने अपने प्रेरणादायी सम्बोधन में कहा कि पंच परिवर्तन पर काम चल रहा है। समाज में परिवर्तन लाने हेतु हमे स्वयं में परिवर्तन ला कर समाज के सामने उदाहरण बनना होगा जैसे लोक अनुशासन हेतु हम तय करें कि बिना सीट बेल्ट कार या बिना हेलमेट बाईक नही चलायेंगे। ट्रेफिक सिग्नल पर पुलिस हो या ना हो हम लाल बत्ती पर रुकेंगे , सडक पर कचरा नही फेंकेंगे , कही लाईन लगी है तो हम भी लाईन मे लग कर अपनी बारी की प्रतिक्षा करेंगे आदि । क्षेत्रीय संगठन मंत्री अलंकार वशिष्ट ने संगठन के कार्य का विस्तार एवं दृडीकरण करने पर जोरदार दिया। राष्ट्रीय पदाधिकारी दीपलक्ष्मी धामनकर ने महिला इकाई का विस्तार करने और उन्हें ग्राहक हित में कार्य करने के लिये चर्चा की।

प्रांत संगठन मंत्री मुकेश कौशल ने इकाइयों द्वारा करणीय कार्य विषय पर बोलते हुए कहा कि ग्राहक पंचायत का कार्य एवं स्वरूप इकाई द्वारा काम करने पर ही दिखाई देता है। अत: इकाई को ग्राहको की समस्या समाधान हेतु उचित मार्गदर्शन देने हेतु स्थान पर ग्राहक मार्गदर्शन केन्द्र संचालित करना चाहिए । ग्राहक पंचायत सम्पूर्ण देश मे शोषण मुक्त समाज कैसा बनाना चाहती है उसे दिखाने हेतु जागरूक पंचायत मोहल्ला बनाना चाहिए । नई पीढी मे ग्राहक जागरुकता हेतु स्कूलो के कंज्यूमर क्लब स्थापित करना तथा दूर दराज के छोटे छोटे गांव तक काम पहुंचाने हेतु छात्रावास सतत मे सम्पर्क करना चाहिए। बैठक का संचालन प्रांत सचिव बहादुर सिंह राजपूत ने किया। यह वर्ष ग्राहक पंचायत के निर्वाचन का वर्ष है। इसलिए मालवा प्रांत की प्रांत कार्य कार्यकारणी का पुर्नगठन किया गया जो इस प्रकार है। अध्यक्ष देवेन्द्र दुबगे, उपाध्यक्ष योगेश त्रिवेदी, उपाध्यक्ष अनुराग लोखण्डे, संगठन मंत्री मुकेश कौशल, सचिव बहादुर सिंह राजपूत, सह सचिव सुहास पुण्डलिक, सह सचिव नवनीत शर्मा, कोषाध्यक्ष देवेंद्र सिसोदिया, महिला जागरण प्रमुख श्रीमती दीपीका जी सोलंकी, सह महिला जागरण प्रमुख डॉ शशी कला चोधरी प्रचार प्रमुख डॉ. दिलिप मांदलिया, सह प्रचार प्रमुख बृजादित्य शर्मा, विधि प्रमुख गौरव राउत, पर्यावरण प्रमुख महेश कुशवाह, सह पर्यावरण प्रमुख नितिन बीजापारी, रोजगार सृजन प्रमुख गोपाल स्वामी, सह रोजगार सृजन प्रमुख अखिल त्रिवेदी, कार्यालय प्रमुख चन्द्र प्रकाश तिवारी, कार्यकारणी सदस्य ओंकारलाल देवड़ा, डी.जी. मिश्रा, केशव आचार्य, महेश सोराष्ट्रीय, सुशील भदौरिया एवं निलेश कौशल है।

टीम एवीएस द्वारा नि:शुल्क योग शिविर का शुभारम्भ

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। टीम एवीएस के कार्य के चौथे बिंदु स्वास्थ्य और पांचवे बिंदु योगासन को जमीनी स्तर पर कार्य को परिणाम कारी बनाने के उद्देश्य से ग्रीष्मकालीन नि:शुल्क योगा क्लास का आयोजन किया जा रहा है जिसका शुभारंभ आज अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति में किया गया। जिसमे दशपुर भावसार समाज ने नि:शुल्क स्थान उपलब्ध कराकर सहयोग प्रदान किया है। इस हेतु इस ग्रीष्कालीन नि:शुल्क योगा क्लास टीम अतड और दशपुर भावसार समाज के संयुक्त प्रयास और उज्जैन से प्रशिक्षित योग शिक्षिका आस्था भावसार के सहयोग से संचालित होगी।

उक्त जानकारी देते हुए टीम एवीएस के नगर मीडिया प्रभारी सुधांशु भावसार ने बताया कि नि:शुल्क योगा क्लास का विधिवत शुभारंभ आज किया गया । शिविर स्थान - श्री सत्यनारायण मंदिर (भावसार समाज) खानपुरा मन्दसौर रहेगा। टीम एवीएस और दशपुर भावसार समाज के संयुक्त संयोजन से आज नि:शुल्क योग शिविर शुभारंभ के अवसर पर अतिथि के रूप में योग गुरु बंसीलाल टांक , टीम एवीएस के जिला संरक्षक मार्गदर्शक समाजसेवी प्रवीण मिंडा, दशपुर भावसार समाज कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश गंगपारा, पार्षद तथा समाज सेवी श्रीमती सुनीता भावसार और योग शिक्षिका आस्था भावसार उपस्थित हुए तथा सबने मिलकर भारत माता की चित्र पर माल्यार्पण करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की। अतिथि स्वागत के लिए योग गुरु बंशीलाल टांक को शाल श्रीफल से ओम प्रकाश गंगपारा द्वारा किया गया। प्रवीण मिंडा का स्वागत अशोक भावसार ने किया, श्री मति सुनीता भावसार का स्वागत योग शिक्षार्थी श्री मति मंगला भावसार ने किया और इस शिविर की योग शिक्षिका आस्था भावसार का स्वागत सबसे छोटी योग शिक्षार्थी बहिन इशिका भावसार ने किया। संचालन और नि:शुल्क योग शिविर का उद्देश्य टीम एवीएस संस्थापक मनीष भावसार ने किया तथा उद्देश्य में बताया कि टीम एवीएस सामाजिक संस्था है जो पांच बिंदु धर्म, पर्यावरण, मदद, स्वास्थ्य और योगासन पर कार्य करती है हमारा उद्देश्य हर व्यक्ति में जागरूकता आये और अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो हम शिवना नदी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए भी लंबे समय से प्रयासरत है। आभार मितेश भावसार द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से योग शिक्षार्थी पार्षद माया भावसार, मंगला भावसार हेतल भावसार हरण भावसार लीला भावसार मीत भावसार किंजल भावसार , तमन्ना परमार, इसीका भावसार जज भावसार मीनाक्षी चौहान, राधिका भावसार, यतिका, निकिता खुशी सोलंकी, मिताश सुरागी , मानवी, राजश्री भावसार, मोनिका, कनक आदित्य, लक्षित भावसार, रुद्र बैरागी , साक्षी भावसार उपस्थित थे। यह शिविर 20 जून तक चलेगा जो कि पूर्ण रूप से नि:शुल्क रहेगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किया जा रहा नागदेवता की बावड़ी का जीर्णोद्धार व श्रमदान

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। जन अभियान परिषद् के आव्हारन पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मंदसौर नगर पालिका वार्ड क्रमांक 12 में स्थित प्रेम कॉलोनी में बावडी के परिसर में साफ सफाई की गई। नागरिकों की भागीदारी से इस काम को आगे बढ़ाया जा रहा है। जन अभियान परिषद, नगर पालिका परिषद, वरिष्ठा सामाजिक कार्यकर्ता, स्वकयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि व कॉलोनी में निवासरत सामाजिक कार्यकर्ता, प्राचीन बावडी, नदी, तालाबों कि जिलेभर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सफाई का

कार्य किया जा रहा है। साथ ही श्रमदान कर प्राचीन बावडी को पुनर्जीवित करने में सभी से सहयोग करने का आह्वान किया। उक्त बावडी कई वर्षों पुरानी है बावडी के किनारे नागेश्वर मंदिर बना हुआ है वार्ड के सदस्यों के साथ बैठक कर व संपर्क कर बावडी के इतिहास के बारे में जाना है कि बावडी को सगस वाली बावडी भी कहा जाता है। नागेश्वर मंदिर पर कई नए दंपति जोडे विवाह करने के बाद नाग देवता का आशीर्वाद लेने आसपास के गांव से आते हैं। साथ ही इस बावडी में जल भी पर्याप्त है जिससे कई मकान में इस बावडी के जल का उपयोग किया जाता है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत इस बावडी पर प्रतिदिन श्रमदान किया जाएगा एवं बावडी को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सभी सामाजिक कार्यकर्ता प्रातरू एक घंटा अपना योगदान देंगे। श्रमदान के बाद जल बचाओ की शपथ वरिष्ठ पत्रकार उमेश नेक्स द्वारा दिलाई गई। इस अवसर पर जन अभियान परिषद जिला समन्वय तृप्ति बैरागी, स्थानी पार्षद श्रीमती सुनीता भावसार, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष सुनील जैन महाबली, वरिष्ठ पत्रकार उमेश नेक्स, वरिष्ठसामाजिक कार्यकर्ता विनय दुबेला, ओम बड़ोदिया, हरिओम गंधर्व, दशरथ नायक, राजू प्रजापत जन अभियान परिषद मंदसौर विकासखंड मंदसौर से चयनित नवांकुर संस्था प्रियदर्शन संस्था के प्रतिनिधि दिनेश सोलंकी, रतनलाल चौहान, मंजू भावसार, लाला अजमेरी एवं नपा कर्मचारी, शहर सामाजिक कार्यकर्ता एवं वार्ड वासी उपस्थित रहे।

मंदसौर क्षेत्र के 10 किसानों से नरवाई जलाने पर 25 हजार रुपए का अर्थ दंड वसूला

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश शासन पर्यावरण विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा 1981 की धारा 19 (5) के तहत गेंहू/धान अवशेषों को खेतों मे ही जलाये जाने पर प्रतिबंधित किया गया है। जो भो व्यक्ति/संस्था यदि ऐसा करते पाए जाते है तो उसे माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशानुसार पर्यावरण मुआवजा अदा करना होगा। अनुविभागीय अधिकारी द्वारा मंदसौर क्षेत्र के 10 किसानों से गेहूं फसल की खेतों में नरवाई/ पराली जलाने पर 25 हजार रुपए का अर्थ दंड वसूल किया गया। जिसमें निवासी रठाना के नर्मदाबाई, भंवरलाल, कंवरलाल, कारूलाल, सुगनबाई, अशोक कुमार, रामनिवास, राजुलाल, गोपाल, बालाराम पर 2500 -2500 रुपये की राशि आर्थिक दण्ड अधिरोपित की गई।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	36	2050	2290
उडद	1	5250	5250
सोयाबीन	4164	3600	4300
गैहु	10300	2380	2940
चना	474	4700	5620
मसुर	149	6000	6399
धनिया	144	6000	7281
लहसुन	17000	3000	9400
मैथी	720	3801	5310
मुंगफली	1012	3900	5240
अलसी	1511	6501	7231
सरसो	333	5971	6219
तारामीरा	6	5110	5333
इसबगोल	104	7700	10700
प्याज	1298	200	751
कलोंजी	25	19499	20780
तुलसी बीज	1	4901	4901
डॉलर	52	6400	8551
तिल्ली	2	8280	8280
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	2	3001	3026
असालीया	65	6500	6749
चियाबीज	83	10700	14740

जीतू पटवारी ने डॉ. तोमर की माताजी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी आज शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर जिला कांग्रेस महामंत्री बबीता सिंह तोमर के निवास पहुंच कर उनकी माता जी शान्ति देवी जी तोमर के निधन पर उनको पुष्पांजलि अर्पित की एवं परिजनों से मुलाकात की। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक श्री विपिन जी जैन,लोकसभा प्रत्याशी श्री दिलीप सिंह जी गुर्जर,विधायक श्री दिनेश जैन जी बॉस,कांग्रेस नेतागण परशुराम सिसोदिया,हेमंत सिंह चौहान,चंचलेश व्यास, मंजीतसिंह टुटेजा,रफत पायामि,तरुण खिंची सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन मौजूद थे।

अवैध रेत एवं पत्थर का परिवहन करते 6 ट्रैक्टर जप्त

मनासा, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। खनिज विभाग नीमच द्वारा अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए मंगलवार को पत्थर एवं रेत खनिज के अवैध परिवहन की सूचना प्राप्त होने पर खनिज विभाग की टीम मनासा पहुंची। रामपुरा रोड मनासा पर विभाग द्वारा दो ट्रेक्टर रेत खनिज का अवैध परिवहन करते हुए जप्त कर, मनासा थाने पर अभिरक्षा में रखे गये। इसके पश्चात ग्राम सुवाखेड़ा में पत्थर (खण्डा एवं फर्शी पत्थर) का अवैध परिवहन करते हुए मौके पर छह ट्रेक्टर जप्त किये गये, जिन्हे नयाँगाव पुलिस चौकी पर सुरक्षार्थ खड़ा किया गया है। जिला खनिज अधिकारी श्री आरिफ खान ने बताया, कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर निरन्तर कार्यवाही जारी रहेगी। इस कार्यवाही में सहायक खनि अधिकारी श्री गजेन्द्र सिंह डावर, खनि सर्वेयर श्री सुनील जाधव एवं नगर सैनिक भी शामिल थे।

सैनिकों का अपमान अस्वीकार्य...

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। विश्व में शायद भारत ही ऐसा देश होगा जहां सेना के प्रति अभद्र और असंयमित भाषा बोलने वाले भी मिल जाते हे। इस

पत्र संपादक के नाम
संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

विशेष प्रजाति के भारतीय नागरिक क्या सच में भारतीय हे ? प्रधानमंत्री जी ने देश के नाम अपने संबोधन में अदभुत शोर्य और साहस का प्रदर्शन करने वाली सेना जिसने शत्रु के घर में घुसकर अपने पराक्रम से पूरे देश को गौरवांतित किया और इस पराक्रम को नारी शक्ति को समर्पित किया गया। ऑपरेशन सिंदूर में भारत की नारी शक्ति का प्रतीक बनकर उभरी हमारी दो सैन्य अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी जी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह जी। इस समय भारत ही नही वरन संपूर्ण विश्व में नारी शक्ति और भारतीय शौर्य की यह प्रतीक बन चुकी हे। भारतमाता के भाल पर अपनी वीरता का तिलक लगाने वाली यह भारत की बेटियां हे और इनके बारे में राजनीतिक दंभ में चूर लोगो के द्वारा जो टिप्पणी की जा रही हे वह किसी भी सभ्य व देशभक्त समाज को स्वीकार नही। यह सेना का अपमान हे और इस अपमान की कठोर सजा होनी चाहिए। सभी दल आरोप प्रत्यारोप की जो गंदी राजनीति कर रहे हे यह निंदनीय ही नही शर्मनाक भी हे। सैनिक की एक ही जाती होती हे भारतीय और एक ही धर्म होता हे राष्ट्रधर्म। ऐसे बेशर्म लोग क्या समझेंगे कि एक सैनिक के जीवन की कठिन डगर जहां पर यह भी भरोसा नही रहता कि अगले दिन वह तिरंगा चढ़ाएगा या उसकी देह तिरंगे में लपेटकर घर भेजी जाएगी। ऐसी जांबाज सेना पर जब ये विलासी और अहंकारी लोग असभ्य टिप्पणियां करते हे तो इसे देश का दुर्भाग्य ही कहा जा सकता हे। देश की सेना और उनके परिवारों का प्रत्येक देशवासी ऋणी हे। ये जो लोग देश सेवा का भूत चढ़ाकर चुनाव में टिकट न मिलने पर अपने मातृदल के प्रति निष्ठा न रखते हुए दूसरे दल में चले जाते हे उनसे देश के प्रति निष्ठा रखने की कैसे अपेक्षा की जा सकती हे ? प्रधानमंत्री जी आप एक कानून और बना दीजिए कि नेता बनने के पहले यह अनिवार्य होगा कि आपके परिवार का कोई सदस्य सेना में होगा तभी इनको यह समझ आएगा कि सैनिक क्या होता हे। सेना में जाने वाले जवान भी नौकरी या व्यापार को चुनकर परिवार के साथ आनंद से जीवन जी सकते हे किंतु फिर भी परिवार को छोड़कर देश को प्रथम मानकर ऐसे चुनौती पूर्ण कार्यक्षेत्र को चुनकर देश की सुरक्षा के लिए जीते और शहीद हो जाते हे। देश को लूटकर अकूत संपत्तियों के जो ये लोग मालिक बन बैठे हे और वीआईपी बनकर जनता के परिश्रम के पैसे से जो विलासिता का जीवन जी रहे हे यह बंद होना चाहिए। इस देश के असली हीरो और वीआईपी हमारे सैनिक हे। सैनिको के परिजनो के लिए संवेदनशील होकर सरकार को सोचना चाहिए। उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए। शहीदो के परिवार यदि आर्थिक तंगी में जीवन जी रहे हे तो फिर उन्हें कितने ही सम्मान दे दिए जाए सब थोथे ही साबित होंगे। वैसे भी सरकारें वोटबैंक को साधने के लिए लोक लुभावन योजनाओ के नाम पर बहुत कुछ मुफ्त बांट देती हे तो शहीदो के परिजनो को क्यों न अनिवार्य रूप से घर दिया जाए। उनके बैंक खाते में जीवनयापन के लिए तय राशि पहुंचाई जाए। सैनिको के बलिदान का अहसान तो कुछ भी देकर नही चुकाया जा सकता किंतु उस परिवार की तकलीफें दूर कर के उनके प्रति सच्चा और गहरा सम्मान जरूर दर्शाया जा सकता है।

गौरव सोनी, मंदसौर

कार्यालय नगर परिषद नारायणगढ़, जिला–मंदसौर (म.प्र.)

क्रमांक 744/2025 **नामांतरण विज्ञप्ति** **नारायणगढ़, दिनांक – 19.05.2025**

सर्व साधारण आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि नगर परिषद सीमा क्षेत्र के अंतर्गत स्थित भवन/भूमि पर नामांतरण हेतु निम्नांकित व्यक्तियों ने आवेदन पत्र प्रस्तुत किये है, जिनका विवरण निम्नानुसार है। अतः नामांतरण किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित में कार्यालय नगर परिषद नारायणगढ़ में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते है। समय तिथि पश्चात कोई चाही आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

क्रं.	मोहल्ले का नाम	वार्ड क्रं.	प्रकरण क्रं.	सर्वे क्रमांक	नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुतकर्ता आवेदन का नाम	वर्तमान गृह स्वामी का नाम	परिवर्तन का आधार
1	2	3	4	5	6	7	8
1	रामद्वारा रोड	4	123	218 पैकी	इंद्रदेव, ओमप्रकाश पिता मोतीराम पाटीदार	मोतीराम जगन्नाथ पाटीदार	उत्तराधिकारी
2	झंडा गली	5	124	708	मैनाबाई, विजेश, रितेश पिता/पति भरतलाल राठौर	भरतलाल पिता नंदलाल राठौर	उत्तराधिकारी
3	भागरिया मोहल्ला	14	125	रेव.1678 मिन	दिनेश रामनारायण पाटीदार	दर्ज नहीं है	डायवर्शन भूमि स्वामी
4	पटेल मंदिर रोड	1	126	45/2	जितेन्द्र विनोददास बैरागी	गट्टूबाई बद्रीदास बैरागी	विक्रय पत्र
5	रामद्वारा रोड	4	127	243	रमेशचंद्र, बापूलाल पिता केशवराम तेली टमुबाई पति जगदीशचंद्र तेली	केशुराम भुवान तेली	उत्तराधिकारी
6	गोपाल मंदिर रोड	7	128	917/1	दीपक जगदीशचंद्र प्रजापति	लीलाबाई भंवरलाल चौहान	विक्रय पत्र
7	मोतीमीन आफिस रोड	8	1	1042/2	अशरफ यासीन खां रंगरेज	जेबुन बी यासीन रंगरेज	विक्रय पत्र
8	कृषि मंडी के पीछे	14	2	रेव .2617 मिन 4	रामचंद्र केशुराम कुमावत	नाम दर्ज नहीं है	डायवर्शन विक्रय पत्र
9	कृषि मंडी के पीछे	14	3	रेव .2617 मिन 5	घीसालाल किशनलाल राठौर	नाम दर्ज नहीं है	डायवर्शन विक्रय पत्र
10	बरूजना रोड	14	4	रेव .2663/23	बलवंतसिंह कन्हैयासिंह राजपूत	नाम दर्ज नहीं है	डायवर्शन विक्रय पत्र
11	झंडा गली	6	5	1102	प्रफुल्ल राजकुमार आर्य	ओमप्रकाश मोहनलाल जाट	डायवर्शन भूमि स्वामी
12	कृषि मंडी के पीछे	14	6	रेव .2617 मिन 5	चेतन सुखलाल खारोल	नाम दर्ज नहीं है	डायवर्शन विक्रय पत्र
13	मेला मैदान	2	7	168 पैकि	केशरबाई सुखलाल पाटीदार	सुखलाल ओंकारलाल पाटीदार	दान पत्र
14	होलीथड़ा गली	11	8	2028	कंचनबाई चेनराम अहीर	चेनराम भुवानीराम अहीर	उत्तराधिकारी
15	मनासा रोड	14	9	रेव .1677/2	सतीश पारसमल जैन	दशरथ छगनलाल पाटीदार	विक्रय पत्र
16	झंडा गली	6	10	1552	शकीला मुंशी मंसूरी	मुंशी खुदाबक्ष मंसूरी	उत्तराधिकारी
17	गोपाल मंदिर रोड	13	11	2371,2370,2343	संजयकुमार मदनलाल जोशी	संजय, राजेश, मदनलाल जोशी	हक त्याग
18	अरिहंत नगर	14	12	रेव. 2663	गजेन्द्र विनोद शर्मा	नाम दर्ज नहीं है	डायवर्शन विक्रय पत्र
19	नई बस्ती	14	13	रेव.2687 मिन 3	केशरबाई दशरथ भास्कर	नाम दर्ज नहीं है	डायवर्शन विक्रय पत्र
20	रामद्वारा रोड	3	14	657	सागरबाई दिनेशचंद्र व्यास	रामचंद्र केशुराम व्यास	विक्रय पत्र
21	कन्याशाला रोड	12	15	2270,2271,2272 2274,2276	सत्यनारायण अमृतराम यादव	अनिल लक्ष्मीलाल कुमठ	विक्रय पत्र
22	इमली फाटक	12	कोर्ट प्रकरण	रेव.1657 मिन	नंदकिशोर पिता रामनारायण सुतार	नंदकिशोर, लक्ष्मीनारायण, राधेश्याम पिता रामनारायण सुतार	कोर्ट प्रकरण
23	सुतार कुई रोड	7	कोर्ट प्रकरण	1320, 1321	भंवरलाल कन्हैयालाल प्रजापत	कस्तुरीबाई, भंवरलाल पिता/पति कन्हैयालाल प्रजापत	कोर्ट प्रकरण

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद नारायणगढ़, जिला–मंदसौर (म.प्र.)

कोविड काल की अव्यवस्थाओं से आहत होकर बेटे ने जिला चिकित्सालय को भेंट किए 50 हजार रुपए

गंदे शौचालय, टूटे-बिखरे बेसिन और असुविधाजनक हालात ने उनके मन को दुखी कर दिया

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। कोविड की त्रासदी ने न जाने कितनों को अपनों से छीन लिया, लेकिन कुछ लोगों ने इस पीड़ा को सेवा में बदलकर समाज के लिए मिसाल कायम की। ऐसा ही एक उदाहरण मंदसौर जिले के शामगढ़ निवासी सतीश कुमार ने प्रस्तुत किया। कोविड की दूसरी लहर में जब उनके पिता, सेवानिवृत्त शिक्षक रामविलास वर्मा का इलाज जिला चिकित्सालय मंदसौर में हुआ, तब अस्पताल की अव्यवस्थाओं ने उन्हें झकझोर कर रख दिया। गंदे शौचालय, टूटे-बिखरे बेसिन और असुविधाजनक हालात ने उनके मन को दुखी कर दिया।

हालांकि पिता इलाज के बाद स्वस्थ होकर लौटे, परन्तु सतीश कुमार उस पीड़ा को भूल नहीं पाए जो उन्होंने और उनके परिवार ने उस समय महसूस की थी। एक इंजीनियर होने के साथ-साथ समाज के प्रति अपने दायित्व को समझते हुए उन्होंने अपने पिता को अव्यवस्था में देखा था, जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाएं सुधारने हेतु रोगी कल्याण समिति को 50 हजार रुपए की सहयोग राशि प्रदान की। यह कोई साधारण दान नहीं, बल्कि एक संवेदनशील और जागरूक नागरिक की ओर से आई अपील थी। इस पुनीत अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. डी. के. शर्मा ने वर्मा परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस राशि का उपयोग अस्पताल की बुनियादी सुविधाएं, जैसे शौचालयों और बेसिनों की मरम्मत में किया जाएगा, जिससे भर्ती मरीजों को अधिक साफ-सुथरा और सम्मानजनक वातावरण मिल सकेगा। विशेष बात यह रही कि वर्मा परिवार ने इस सहयोग को प्रचार का माध्यम नहीं बनाया। आज जब लोग छोटी-छोटी चीजें देकर तस्वीरों और दिखावे में लगे रहते हैं, वहीं सतीश कुमार ने फोटो खिंचवाने तक से इनकार कर दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा, हम यह सहयोग महिमा मंडन के लिए नहीं, बल्कि व्यवस्था में सुधार की आशा में दे रहे हैं। जिला चिकित्सालय के इतिहास में यह पहला अवसर है जब किसी मरीज के परिजन ने इतने बड़े स्तर पर आर्थिक सहयोग किया है। यह कदम न केवल एक सराहनीय पहल है, बल्कि उन तमाम नागरिकों के लिए प्रेरणा है, जो व्यवस्था से शिकायत तो करते हैं लेकिन बदलाव की दिशा में कदम नहीं उठाते। यह खबर एक बार फिर हमें याद दिलाती है कि बदलाव के लिए सरकारों की ही नहीं, समाज के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता भी उतनी ही जरूरी है। वर्मा परिवार का यह योगदान न केवल अस्पताल की दशा सुधारने में मदद करेगा, बल्कि भावी मरीजों के लिए भी राहत का सबब बनेगा। ऐसे उदाहरण समाज में सकारात्मकता का संचार करते हैं और यह विश्वास दिलाते हैं कि इंसानियत आज भी जीवित है।

नेमीचंद राठौर

मंडी को असामाजिक तत्वों का अड्डा नहीं बनने दिया जाए-गुर्जर

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। व्यापारियों की समस्याओं के बीच हड़ताल पर जाने से किसान परेशान हुए तो मंगलवार को राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर मंडी में पहुंचे। मंडी में फर्जी पर्ची मामले को लेकर व्यापारियों की अहम बैठक हुई। इस बैठक में भागीदारी करते हुए राज्यसभा सांसद ने विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की।

बैठक में अधिकारी व व्यापारी उपस्थित थे। गुर्जर ने कहा कि मंडी शहर की अर्थव्यवस्था की धुरी है। इसलिए यहां की व्यवस्था को बेहतर करें। एक गिरोह सक्रिय होकर यहां गडबडियां कर रहा है और वातावरण को खराब कर रहा है। उस पर सख्त कार्रवाई करें। मंडी को असामाजिक तत्वों का अड्डा नहीं बनने दिया जाएगा। मंडी प्रशासन से कहा कि यहां वातावरण खराब ना हो बल्कि इसे ओर बेहतर बनाए। उन्होंने कहा कि जो घटनाएं घट रही है यह इसका प्रमाण है कि बदमाशों का गिरोह है। पुलिस व मंडी प्रशासन चोरी रोकने के लिए सख्त कदम उठाए। गुर्जर ने कहा कि सिक्यूरिटी गॉर्ड जो पुराने हो गए है जिनका रेकॉर्ड खराब है उन्हें बाहर निकालें। हम्माल जो चोरियों की वारदात में पकड़ाए है या उनके परिवार के लोग इसमें सामने आए है तो इन्हें भी बाहर करें। फर्जी पर्ची के मामले में 10 दिन में रेकॉर्ड को बदले। पर्ची पर क्यूआर कोर्ड स्कैन करते हुए इसे बदला जाए। जिससे की व्यापारी स्कैन कर पर्ची की असलियत जान सके व मंडी पर्चियों की व्यवस्था को पुख्ता करें। जिससे ऐसी वारदात फिर ना हो। गॉर्ड वर्दी में हो तो तुलावटी.हम्माल अपने पहचान पत्र के साथ हो। फर्जी पर्ची व चोरी की घटनाओं में पकडे जाने वाले असामाजिक तत्वों के फोटो गेट पर लगाकर उनका प्रवेश हमेशा के लिए वर्जित करें। साथ ही नीलाम से पहले प्रांगण में किसानों का माल देखने जाना भी प्रतिबंध हो। व्यवस्था को 10 दिन में बेहतर बनाने के लिए निर्देशित किया गया है। व्यापारियों से लेकर किसानों को बेहतर सुविधा देना ही प्राथमिकता में होना चाहिए।

स्कूल में 415 से ज्यादा बच्चे तो मिलेगा खेल शिक्षक

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। स्कूल शिक्षा विभाग ने पूर्व में जारी शालाओं की पद संरचना में बदलाव कर नवीन पद संरचना के आदेश जारी कर दिए हैं। इस आदेश के बाद प्राथमिक स्कूल में शिक्षकों की पद स्थापना में बच्चों की छात्र संख्या 15 बढ़ा दी है। यानी अब पहले की तुलना में ज्यादा स्टूडेंट होने पर ही शिक्षक बढ़ सकेंगे। छात्रों की संख्या 75 से कम होने पर सिर्फ दो शिक्षक ही रहेंगे। विभाग ने खेल शिक्षक को लेकर भी आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार कक्षा एक से 10वीं तक के ऐसे स्कूल जहां 415 से ज्यादा बच्चे हैं तो स्कूलों में प्राथमिक शिक्षक खेल का एक पद स्वीकृत किया है। यानी अब ऐसे स्कूल में खेल शिक्षक भी रह सकेंगे। वहीं 12वीं कक्षा तक के सभी स्कूलों में प्राथमिक शिक्षक का एक पद स्वीकृत किया गया है।

इस तरह की हैं नई संरचना...

✻ पहले 60 बच्चों तक दो शिक्षक जरूरी थे। इस नियम में किसी प्रकार का कोई बदलाव नहीं किया है। ✻ 61 या इससे ज्यादा होने पर पहले तीन शिक्षक का नियम था। ✻ अब 75 से अधिक होने पर तीन शिक्षकों की नियुक्ति हो सकेगी। ✻ 91 या इससे अधिक स्टूडेंट होने पर स्कूलों में पहले चार शिक्षक रखने का नियम था। ✻ अब 105 या अधिक होने पर चार शिक्षक रहेंगे। ✻ 121 या अधिक होने पर पहले पांच शिक्षक का नियम था। ✻ अब 135 या इससे अधिक होने पर स्कूल में पांच शिक्षक रहेंगे। ✻ 150 से अधिक होने पर 5 शिक्षक और एक प्रधानाध्यापक रहेंगे। ✻ 200 से अधिक होने पर छात्र शिक्षक अनुपात (प्रधानाध्यापक को छोड़कर) चालीस (1 अनुपात 40) से अधिक नहीं होगा।

मारपीट कर हाथ तोड़ने वाले आरोपी को 01 वर्ष की सजा

नीमच, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। श्री विशाल खाडे, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, नीमच द्वारा खेत की पाणत की पाईप तोडने के विवाद को लेकर लट्ठ से मारपीट कर फरियादी का हाथ तोडने वाले आरोपी बसंतीलाल पिता रामलाल, उम्र-29 वर्ष, निवासी-ग्राम गमेरपुरा, तहसील जीरन, जिला नीमच (मध्यप्रदेश) को धारा 325 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 01 वर्ष के कारावास व 1500रू अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाले एडीपीओं श्री राजेन्द्र नायक द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना लगभग 07 वर्ष पूर्व की होकर दिनांक 30.12.2018 को दिन के लगभग 12 बजे फरियादी मुकेश मीणा के ग्राम गमेरपुरा स्थित खेत की हैं। घटना दिनांक को फरियादी मुकेश मीणा उसके खेत में पाणत कर रहा था, तभी वहां पर उसका पुत्र अनिश उसे बुलाने के लिए आया। इसके बाद दोनों घर की तरफ वापस जा रहे थे, तभी रास्ते में फरियादी मुकेश के बडे पापा आरोपी बसंतीलाल मिल गये और उसने फरियादी से कहा की तुम्हारे लडके ने मेरी पाणत की पाईप तोड दी हैं। इसी बात को लेकर विवाद करते हुए आरोपी ने फरियादी के साथ लट्ठ से मारपीट करते हुए उसके दाए हाथ की कलाई तोड दी। फरियादी की रिपोर्ट पर से आरोपी के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध की जाकर आवश्यक अनुसंधान उपरांत अभियोग-पत्र नीमच न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से न्यायालय में आहत फरियादी सहित सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान कराकर अपराध को संदेह से परे प्रमाणित कराते हुवे आरोपी को कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिस पर से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया तथा अर्थदण्ड की राशि में से 1500रू. आहत को प्रतिकर के रूप में प्रदान किये जाने का आदेश भी दिया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी श्री राजेन्द्र नायक, एडीपीओ द्वारा की गई।

जिले में 4 हजार 800 से अधिक कुओं को किया जा रहा रिचार्ज

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन अभियान को मजबूती देने एवं प्रकृति, पर्यावरण व जल संरक्षण की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार मिशन के रूप में कार्य कर रही है। प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान जारी है। अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मनरेगा योजना के तहत मंदसौर जिले के 4 हजार 800 कुओं को बारिश के पानी से रिचार्ज करने का लक्ष्य तय किया है। कुओं के पास कूप रिचार्ज पिट (डगवेल रिचार्ज विधि) बनाये जा रहे हैं। कूप रिचार्ज पिट को बनवाने में कृषकों ने भी जागरूकता दिखाई है। कुओं के रिचार्ज होने से भू-जलस्तर बढेगा, साथ ही कृषकों को सिंचाई व पीने के लिए पर्याप्त पानी भी उपलब्ध होगा।

4 हजार 800 कुओं को रिजार्च करने का रखा गया है लक्ष्य, 2 हजार 500 से अधिक में काम शुरू- जल गंगा संवर्धन अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जिले में 4 हजार 800 कुओं को रिचार्ज करने का लक्ष्य तय किया है। इसमें से 2 हजार 500 से अधिक कुओं के पास कूप रिचार्ज पिट बनाने का कार्य शुरू हो गया है। कूप रिचार्ज पिट बन जाने से भू-जल स्तर में वृद्धि होगी। साथ ही गर्मियों में कुओं के सूखने की संभावना भी कम हो जाएगी।

कूप रिचार्ज पिट बनाने की विधि- कूप रिचार्ज पिट बनाने के लिए एक खास संरचना तैयार की गई है। जिसमें पत्थर और मोटी रेत की परतें होंगी। पिट का निर्माण कुएं से 3 से 6 मीटर की दूरी पर किया जाएगा। इसके लिए 3 मीटर लंबा, 3 मीटर चौडा और 8 मीटर गहर गड्ढा खोदा जा रहा है। गड्ढे में 8 इंच का पाइप डालकर इसे कुएं के अंदर डाला जाएगा। फिर कुएं में पाइप के छोर पर एल्बो लगाकर 1 फिट का पाइप नीचे की तरफ लगाया जाएगा। इसके बाद पाइपलाइन के जरिए कुएं तक पहुंचाया जाएगा। प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 30 जून तक जारी रहेगा। अभियान में बारिश के पानी को सहेजने व पुराने जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार करने का कार्य किया जा रहा है। तीन माह तक चलने वाले इस अभियान के तहत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बारिश के पानी का संयचन करने व पुराने जल स्त्रोतों को नया जीवन देने के लिए प्रदेश के सभी जिलों में खेत-तालाब, कूप रिचार्ज पिट, चैक, डैम, अमृत सरोवर सहित अन्य कार्य किए जा रहे हैं।

पिता ने लगाया दामाद सहित पांच लोगों पर बेटी की हत्या का आरोप

दहेज के लिए ससुराल वाले प्रताड़ित करते थे

नीमच, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। बघाना थाना क्षेत्र के लखमी गांव में बेटी की मौत के बाद पिता ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका रेखा की शादी 2018 में लखमी निवासी राजू उर्फ राजेन्द्र धनगर से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से पति, ससुर माधुलाल, सास गीताबाई, जेठ राकेश और जेठानी रामेश्वरी दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताडित करते थे। 13 मई 2025 को रेखा के साथ मारपीट की गई। उसे नीमच के गुप्ता अस्पताल में भर्ती कराया गया। ससुराल पक्ष ने मायके वालों को सूचना नहीं दी। अगले दिन सुबह 10 बजे रेखा की मौत की जानकारी दी गई।

पिता का आरोप, पुलिस रिपोर्ट नहीं दर्ज कर रही...

पिता रमेशचंद्र निवासी जलिया गांव को सिविल अस्पताल के मॉर्चुरी में बेटी का शव मिला। शव के गले पर चोट के निशान थे। रेखा के गहने भी गायब थे। पीडित का आरोप है कि बघाना थाने में शिकायत करने पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। जांच कर रहे कॉन्स्टेबल गिरधारीलाल आरोपियों के रिश्तेदार हैं। रमेशचंद्र ने निष्पक्ष जांच और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। बघाना थाना प्रभारी निलेश अवस्थी के अनुसार एक पक्ष के बयान लिए गए हैं। दूसरे पक्ष के बयान लेना बाकी है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एडीजी एनसीसी निदेशालय का 5 एमपी बटालियन एनसीसी मंदसौर का दौरा

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। मेजर जनरल विक्रांत धुमने, अपर महानिदेशक, एनसीसी निदेशालय मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़, ने आज 5 एम.पी. बटालियन एनसीसी, मंदसौर का दौरा किया। उनके साथ ब्रिगेडियर सौरभ जैन, ब्रिगेडियर संजीव कुमार एवं भारतीय सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। दौरे के दौरान, मेजर जनरल धुमने का स्वागत 5 एम.पी. बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर द्वारा किया गया। उन्हें बटालियन की वर्तमान गतिविधियों, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस दौरान मंदसौर में प्रस्तावित एनसीसी प्रशिक्षण केंद्र की योजना का प्रस्तुतीकरण भी किया गया।

बाद में जनरल अधिकारी ने प्रस्तावित प्रशिक्षण केंद्र के ले आउट एवं विकास योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने परियोजना की दूरदृष्टि और सटीक योजना की सराहना की। बटालियन के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए, मेजर जनरल धुमने ने अधिकारियों और स्टाफ की कड़ी मेहनत एवं समर्पण की सराहना की। उन्होंने अल्प समय में बटालियन द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों को महत्वपूर्ण बताया और एनसीसी गतिविधियों में भाग ले रहे स्थानीय युवाओं की प्रेरणा और उत्साह की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) के लिए एनसीसी कार्यालय में पंजीकृत हो रहे स्वयंसेवकों की बढ़ती संख्या से अत्यंत प्रभावित होते हुए इस प्रकार की पहलों को राष्ट्र निर्माण एवं आपदा प्रबंधन के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। जनरल अधिकारी को जिले में प्रस्तावित आगामी एनसीसी शिविरों तथा उनकी सफलतापूर्वक संचालन हेतु जिला प्रशासन के साथ किए जा रहे समन्वय के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्होंने बटालियन को प्रशिक्षण और जनसंपर्क कार्यों को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु निदेशालय की ओर से हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। यह दौरा 5 एम.पी. बटालियन एनसीसी के कैडेट्स और स्टाफ के लिए उत्साहवर्धक सिद्ध हुआ और एनसीसी के माध्यम से युवाओं के विकास के प्रति निदेशालय की प्रतिबद्धता को पुन: पुष्टि प्रदान करता है।

कॉलेज में निबंध प्रतियोगिता सम्पन्न

मंदसौर, 20 मई गुरु एक्सप्रेस। पी.एम. कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर में आज दिनांक 21. 5. 2025 को लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।निबंध का विषय लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जनकल्याण सुशासन और सांस्कृतिक पुनरुत्थान की प्रणेता रखा गया। निबंध प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने बढ चढकर हिस्सा लिया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे.एस .दुबे ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए, लोकमाता अहिल्याबाई होलकर कि राज्य व्यवस्था पर प्रकाश डाला और कहा कि हमें अहिल्या देवी के जीवन से प्रेरणा लेना चाहिए। निबंध प्रतियोगिता के पश्चात विद्यार्थियों के साथ लोकमाता अहिल्याबाई से जुडी हुई कई रोचक जानकारियां भी साझा की गई। इस अवसर पर हिंदी विभाग की डॉ. ललिता लोधा, संस्कृत विभाग से डॉ. अनिल आर्य एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

कलेक्टरेट के बाहर बुजुर्ग ने... पेज 1 से जारी

अनुसार मल्हारगढ जनपद के गांव बरखेडा देवा निवासी एक बुजुर्ग की जमीन पर अतिक्रमण का मामला सामने आया है। इसको लेकर बुजुर्ग ने तहसील कार्यालय में कई बार शिकायत की। अधिकारियों के चक्कर लगाकर बुजुर्ग परेशान हो गया। इसके बाद जनसुनवाई के दिन कलेक्टोरेट के बाहर पहुंचकर धरने पर बैठ गया। बाद में तहसीलदार सोनिकासिंह मौके पर पहुंची। उन्होंने उससे बात की, जिसके बाद बुजुर्ग धरने से उठे। अधिकारियों ने मामले में जांच कर कार्रवाई का अश्वासन दिया है।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, मंदसौर

जिला मन्दसौर (म.प्र.)

Ph -07422-255821, Fax -07422-255402 Ph -07422-255367
website- www.mandsaurmandi.com,
e-mail-kumsmandsaur@ymail.com, e-mail-AWMMAS

क्रमांक/मण्डी/स्टो./25-26/206 मन्दसौर, दिनांक 19-5-2025

✻ निविदा/कोटेशन आमंत्रण सूचना ✻

सर्व संबंधितों को सूचित किया जाता हैं कि कृषि उपज मण्डी समिति मंदसौर म. प्र. को पी.ओ.एस. मशीन वीथ सीम एवं वाई-फाई अनेबल्ड स्पेसिफिकेशन अनुसार व रोल की आवश्यकता हैं। इस हेतु फर्म/कंम्पनी की दरें आमंत्रित की जाती हैं

अत: इच्छुक फर्म/कंम्पनी पी.ओ.एस. मशीन निर्धारित स्पेसिफिकेशन अनुसार व रोल की दर/मशीन की दर पृथक-पृथक से दर सील बंद लिफाफे में दिनांक -10/06/25 को समय 5.00 बजे तक मण्डी कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं जो दिनांक-12/06/25 को समय 4.00 बजे तक समक्ष में खोले जावेंगे। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त निविदाएं/कोटेशन मान्य नहीं किये जावेंगे। प्राप्त न्यूनतम दर स्वीकृत की जावेगी। भाव- पत्र स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार मण्डी समिति को रहेगा। जिसका कारण बताने हेतु बाध्य नहीं होगी। सशर्त निविदाएं/कोटेशन स्वीकार नहीं किये जायेगें। किसी भी प्रकार के विवाद में मण्डी समिति का निर्णय अंतिम रहेगा जो सर्व मान्य होगा।

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति, मंदसौर

भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मण्डी समिति, मंदसौर

✻ उठावना ✻

अत्यंत दु:ख के साथ अवगत कराने में आता है कि स्व. श्री बालचंद जी शर्मा कि धर्मपत्नी, स्व.कैलाशचंद्र शर्मा, रमाशंकर शर्मा एवं दिनेशचंद्र शर्मा की माताजी व अतुल शर्मा एवं हिमांशु शर्मा की दादीजी व सूचित की पड़ दादी श्रीमती नाथीबाई शर्मा का देवलोक गमन दिनांक 19.5.25 को हो गया है जिनका उठावना दिनांक 21.5.25 को प्रात: 11 बजे, स्थान :- निज निवास L3/A जनता कॉलोनी गोकुल वाटिका के सामने मंदसौर पर रखा गया हैं।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
स्व.कैलाशचंद्र शर्मा, रमाशंकर शर्मा (MPEB), दिनेशचंद्र शर्मा

✻✻✻ सूचना ✻✻✻

मेरा नाम मोहम्मद अकील खान पिता अजीज मोहम्मद है।आधार कार्ड मे मेरा नाम MOHAMMAD AKEEL KHAN S/O AZIZ MOHAMMAD KHAN है जो कि सही है। ड्रायवींग लायसेन्स मे मेरा नाम MOHD AKIL S/O MOHD AZIZ KHAN है। मैं अपना नाम सुधरवाना चाहता हु, वर्तमान एवं भविष्य में मुझे मेरे सही नाम से जाना व पहचाना जावे।

✻✻✻ भवदीय ✻✻✻
मोहम्मद अकील खान
मो.नं. 9425976896

VEHICLE AVAILABLE FOR SALE

S.no.	Make Model	Registration No.	Engine No.	Chassis No.
1	MARUTI SWIFT DESIRE-2014 MODEL-DIESE	MP-09-CP-5366	D13A 5054568	MA3FJEB1S005 35336

AS IS WHERE IS CONDITION
CONTACT WITHIIN 07 DAYS AT
SUNDARAM FINANCE LTD.
FIRST FLOOR, TIRUPATI PLAZA, STATION ROAD, MANDSAUR (M.P.) 458001
Mob-9425605273, 7880198452, TEL-07422-490102

AJAY SENDHAV ADVOCATE

Office: 12, Chamunda Complex, Dewas Dist- Dewas (M.P.) 455001 Email: as71708@gmail.com Mob. No.- 97534-41943
Residence: 613, LIG III Mukharji Nagar, Dewas Dist- Dewas (M.P.) 455001 Mob. No. 93000-30939

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण हर आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार - श्री गोपीलाल चमार पिता श्री बगदीरामजी निवासी ग्राम सेमलियारानी, तहसील सीतामऊ व जिला मंदसौर(म.प्र.) के द्वारा उनके मालीकी, अधिपत्य एवम कब्जे की सम्पत्ति जो की मकान/भूखंड क्रमांक. 07. ग्राम सेमलियारानी, ग्राम पंचायत सेमलियारानी, तहसील सीतामऊ व जिला मंदसौर (म.प्र.) प.ह. क्रमांक. 93, जिसका कुल क्षेत्रफल- 900.00Sq. Ft. (83.64 Sq. Mitr.) है उस पर अपनी पत्नी श्रीमती करीबाई चमार पति श्री गोपीलाल चमार, निवासी ग्राम सेमलियारानी, तहसील सीतामऊ व जिला मंदसौर (म.प्र.)को सह- स्वामी बनाया गया है, जिसका ई-पंजीयन दस्तावेज (E-REGISTERED CO-OWNERSHIP DEED) क्रमांक - MP249412024A1744500, दिनांक 12.06.2024, है, तथा उक्त संपत्ति को मॉर्गेज (MORTGAGE) किया जा रहा है व उस पर (INDIA SHELTER FINANCE CORPORATION LIMITED) से लोन लिया जा रहा है।

यह की उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी अन्य व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का किसी भी प्रकार का कोई ऋण, भार या आपत्ति हो तो उक्त जाहीर सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस मे मय दस्तावेजी प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में आकर आपत्ति प्रस्तुत करे, उपरोक्त अवधि के पश्चात किसी की भी उजर आपत्ति मान्य नहीं होगी सूचित हो।

देवास अजय सेंधव, एडवोकेट
दिनांक : 20.05.2025 12, चामुण्डा काम्पलेक्स, देवास (म.प्र.)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in